राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बी एड आवेदन की तिथि बढ़ी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 17 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है।

बी एड/बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई कर दी गई है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी।

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 7 मई से

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमबीए/एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी 7 मई से प्रारंभ होंगे। यह जानकारी देते हुए एमबीए/ एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 7 मई से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 निर्धारित की गई है। डॉ मिश्र ने बताया कि पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में 31 जुलाई 2020 तक पहुंच जाने चाहिए।

यूपीआरटीओयू

विश्वविद्यालय दैनिक समाचार पत्रों की दृष्टि में

दैनिक जागरण
www.jagran.com

मॉल्स में दिवाली तक रौनक लौटने की उम्मीद 09 चीन के खिलाफ हमारे पास पुख्ता सबूत : माइक पॉम्पियो 12

मुविवि में एमबीए-एमसीए प्रवेश परीक्षा को आवेदन सात से

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए और एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन सात मई से शुरू होंगे। यह जानकारी प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने दी।

उन्होंने बताया कि विवि की वेबसाइट से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में 31 जुलाई तक पहुंचाना होगा। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा के लिए प्रवेश परीक्षा की आवेदन तिथि 17 मई, प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 20 मई व ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई की गई है।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार ...
वर्ष : 11 अंक : 35, प्रयागराज, मंगलवार 05 मई 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

मुक्त विवि में बीएड आवेदन की तिथि बढ़ी, एमबीए-एमसीए में आवेदन सात मई से

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। इसी प्रकार एमबीए-एमसीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन सात मई से प्रारंभ होंगे।

यह जानकारी बीएड-बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने देते हुए बताया कि कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 17 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई कर दी गई है।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा सम्बंधी अन्य तिथियां लॉकडाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथासमय घोषित की जाएंगी।

एमबीए-एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन सात मई से

एमबीए-एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विवि के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सात मई से प्रारंभ होगी। एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता सम्बंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई निर्धारित की गई है। पूर्ण रूप से भरे आवेदन विश्वविद्यालय में 31 जुलाई तक पहुंच जाने चाहिए।

दैनिक भास्कर

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 7 मई से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमबीए/एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी 7 मई से प्रारंभ होंगे। यह जानकारी देते हुए एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 7 मई से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 निर्धारित की गई है।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

मुक्तविवि में बी एड प्रवेश के लिए आवेदन तिथि पुनः बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 17 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। बी एडध्बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्तिध्ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी।

मुक्तविवि में एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 7 मई से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमबीएध्एमसीए 2020–21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी 7 मई से प्रारंभ होंगे। यह जानकारी देते हुए एमबीएध् एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 7 मई से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 निर्धारित की गई है। डॉ मिश्र ने बताया कि पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में 31 जुलाई 2020 तक पहुंच जाने चाहिए।

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित
प्रकाशन का 73वां वर्ष
स्वतंत्र भारत
epaper: swatantrabharat.net
वर्ष 73 अंक 256 नगर संस्करण पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन ७ मई से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमबीए/एमसीए २०२०-२१ की प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन आगामी ७ मई से प्रारंभ होंगे। यह जानकारी देते हुए एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो.प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रोफेसर दुबे ने बताया कि आनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ७ मई से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डा.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि २८ जुलाई २०२० निर्धारित की गई है। डा.मिश्र ने बताया कि पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में ३१ जुलाई २०२० तक पहुंच जाने चाहिए।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात
आपके साथ

वर्ष : 09 अंक : 105 फतेहपुर, मंगलवार, 05 मई, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 7 से

प्रयागराज ।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमबीए/एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी 7 मई से प्रारंभ होंगे। यह जानकारी देते हुए एमबीए/ एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।प्रोफेसर दुबे ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 7 मई से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 निर्धारित की गई है। डॉ मिश्र ने बताया कि पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में 31 जुलाई 2020 तक पहुंच जाने चाहिए।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

एमबीए और एमसीए में प्रवेश को आवेदन 7 से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में एमबीए/एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी 7 मई से प्रारंभ होंगे। एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि अभ्यर्थी आवेदन के लिए मुविवि के वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 7 मई से प्रारंभ होगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई है। डॉ. मिश्र ने बताया कि पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र मुविवि में 31 जुलाई तक पहुंच जाने चाहिए।

वहीं, बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि एक बार फिर आगे बढ़ा दी गई है। कोरोना की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 17 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई कर दी गई है। ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, मंगलवार, 5 मई, 2020

मुविवि की बी.एड आवेदन की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा २०२० के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लाकडाउन १७ मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। बी एड/बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा २०२० के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति आनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि २० मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि २५ मई कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डा.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि आनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कापी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर ३१ मई कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लाक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी।

अपना प्रदेश ज

एमबीए-एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन सात से

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमबी और एमसीए 2020-21 की प्रवे परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेद सात मई से शुरू होंगे। यह जानक प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफे प्रेम प्रकाश दुबे ने दी।प्रोफेसर बताया कि अभ्यर्थी आवेदन लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते

STAR INDIA NEWS 24

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बी एड आवेदन की तिथि बढ़ी

स्टार इंडिया न्यूज़ 24 कुलदीप शुक्ला

प्रयागराज 4 मई 2020

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 17 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है।

बी एड/बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई कर दी गई है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 मई कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी।

STAR INDIA NEWS 24

मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए/एमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 7 मई से

कुलदीप शुक्ला स्टार इंडिया न्यूज़ 24

प्रयागराज 4 मई 2020

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमबीए/एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी 7 मई से प्रारंभ होंगे। यह जानकारी देते हुए एमबीए/ एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 7 मई से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 निर्धारित की गई है। डॉ मिश्र ने बताया कि पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में 31 जुलाई 2020 तक पहुंच जाने चाहिए।

COVERAGE INDIA खबर पल - पल की

Home × allahabad × प्रयागराज × प्रयागराज। मुक्त विश्वविद्यालय में MBA व MCA प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 7 मई से

प्रयागराज। मुक्त विश्वविद्यालय में MBA व MCA प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 7 मई से

कुलदीप शुक्ला, कवरेज इण्डिया प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में एमबीए/ एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आगामी 7 मई से प्रारंभ होंगे। यह जानकारी देते हुए एमबीए/ एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

प्रोफेसर दुबे ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 7 मई से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि एमबीए और एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरणिका से योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 निर्धारित की गई है। डॉ मिश्र ने बताया कि पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में 31 जुलाई 2020 तक पहुंच जाने चाहिए।

अमर उजाला
प्रयागराज युवा Youth 5

एमबीए और एमसीए के लिए आवेदन 7 मई से

मुक्त विवि ने बीएड आवेदन की तिथि भी बढ़ाई

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए/एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन सात मई से प्रारंभ होंगे। इसके अलावा मुक्त विवि ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि एक बार फिर आगे बढ़ा दी है।

एमबीए/ एमसीए प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी आवेदन के लिए विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर पोर्टल के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सात मई से शुरू होगी। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 जुलाई निर्धारित की गई है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में 31 जुलाई तक पहुंच जाने चाहिए। दूसरी ओर, कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने लॉक डाउन को ध्यान में रखते हुए बीएड/विशिष्ट बीएड 2020 की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि 25 मई तक बढ़ाए जाने का निर्णय लिया है। साथ ही प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ा दी गई है। ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि 31 मई कर दी गई है।

my city
lucknow.amarujala.com
लखनऊ ■ बुधवार, 06.05.2020
अमर उजाला 05

प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण कल से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन 7 मई से शुरू होंगे। छात्र विवि की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। विवि प्रशासन ने बताया कि पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई निर्धारित की गई है।

LUCKNOW CITY -
jansandeshtimes.net

यूपीआरटीयू में प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन पंजीकरण सात से

लखनऊ। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए/ एमसीए 2020 -21 के प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाइन पंजीकरण , 7 मई से विश्व विद्यालय के निर्धारित पोर्टल पर प्रारम्भ हो जायेगा। पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई तथा आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। बी एड , बी एड स्पेशल 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा के आवेदन हेतु तिथियों को आगे बढ़ाया है। लॉक डाउन के दृष्टिगत कुलपति ने यह निर्णय लिया है। प्रवेश परीक्षा हेतु पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति /ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि, अब 20 मई तक कर दी गई है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि,25 मई कर दी गई है। ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि , 31 मई कर दी गई है।

कोरोना से लड़ाई
हिन्दुस्तान 07
लखनऊ • बुधवार • 06 मई 2020

एमबीए और एमसीए के आवेदन कल से

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि एमबीए और एमसीए 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू करने जा रहा है। आवेदन गुरुवार से शुरू होंगे। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट uprtou.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं।

विवि की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. नीरांजलि सिन्हा ने बताया कि पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई तथा आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। वहीं, बीएड, बीएड स्पेशल 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा के आवेदन की तिथियां भी आगे बढ़ा दी गई हैं। प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि अब 20 मई कर दी गई है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई कर दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 31 मई है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
कोरोना से लड़ाई
हिन्दुस्तान 04

असाइनमेंट की बढ़ सकती है तिथि

प्रयागराज। देशभर में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के चलते उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में मौजूदा सत्र की परीक्षाएं विलंब से शुरू होने के आसार हैं। छात्रों ने अभी तक असाइनमेंट नहीं जमा किया है। लॉकडाउन के चलते दो बार असाइनमेंट जमा करने की तिथि बढ़ाई जा चुकी है।

असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 10 मई तय की गई है। कोरोना के बढ़ते प्रकोप के चलते सरकार ने लॉकडाउन तीन मई से बढ़ाकर 17 मई तक कर दिया। ऐसे में छात्र-छात्राएं अध्ययन केंद्र में कैसे असाइनमेंट जमा कर सकेंगे।

कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 10 मई तय की गई है। अगर छात्र तय तिथि तक असाइनमेंट नहीं जमा कर सकेंगे तो उनके हित को देखते हुए अंतिम तिथि बढ़ाई जाएगी। क्योंकि विश्वविद्यालय में इस साल विभिन्न पाठ्यक्रमों से तकरीबन पचास हजार छात्र-छात्राएं अलग-अलग परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं।

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. में बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ी

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा। इसके साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई 2020 एवं ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई 2020 हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि अब 31 मई हो गई है। एमबीए / एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020 -2021 के लिए पंजीकरण करने की तारीख 7 मई 2020 से प्रारंभ होगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 है एवं फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2020 है।

एमबीए और एमसीए के लिए आवेदन 7 मई से शुरू

बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ी

(झाँसी ब्यूरो)

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा। साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई 2020 एवं ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई 2020 हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि अब 31 मई हो गई है। एमबीए, एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020-2021 के लिए पंजीकरण करने की तारीख 7 मई 2020 से प्रारंभ होगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 है एवं फाम्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2020 है।

घरों में रहे स्वस्थ रहें : रेखा

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से मैं रेखा त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक झांसी इस वैश्विक महामारी के दौर में झांसी के सभी लोगों को अपील करती हूँ कि अपने घर में जिस तरह से अभी तक हमने लॉकडाउन का धैर्य पूर्वक हमने पालन किया उसी प्रकार लॉक डाउन 3 का भी पालन करें और अपने अपने घरों में रहें स्वस्थ रहें। अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखें अपने हाथों को बार-बार धोते रहें और यह लड़ाई एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है। हर व्यक्ति हमको अपने अपने स्थान से देश को उबरने के लिए प्रार्थना करना है। यह लड़ाई हम सब की है और हम सबको मिलकर लड़ना है इसलिए सभी लोग अपना और अपने घर के सभी लोगों का ख्याल रखें।

कुलपति के निर्देश पर बढ़ाई गई तिथि

अयोध्या। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी के कारण देश में तीसरी बार लॉक-डाऊन 17 मई 2020 तक बढ़ा दिये जाने के कारण उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बी.एड. एवं बी.एड.(विशिष्ट शिक्षा) मे प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 2020-21 की ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि कुलपति प्रो. के. एन. सिंह के निर्देश पर बढ़ा दी गई है। पंजीकरण, चालान प्राप्त एवं ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई एवं आवेदन को पूरा करने की अंतिम तिथि 25 मई 2020 कर दी गई है। ऑनलाइन भरे हुए फॉर्म को विश्विद्यालय में प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31मई 2020 है। प्रवेश परीक्षा की तिथि लॉक-डाउन की स्थिति को देखते हुए बाद में यथासमय घोषित की जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी विश्विद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर जाकर प्रवेश परीक्षा फॉर्म भर सकते है। किसी भी जानकारी के लिए विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या, बी.एन. एस. गर्ल्स डिग्री कालेज जनौरा बाईपास अयोध्या या प्रत्येक जिले में महाविद्यालयों में स्थित अध्ययन केंद्र से जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस बात की जानकारी मंगलवार को डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र ने दिया है।

बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ी

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा, साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई 2020 एवं ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई 2020 हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि अब 31 मई हो गई है। एमबीए / एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020 -2021 के लिए पंजीकरण करने की तारीख 7 मई 2020 से प्रारंभ होगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 है एवं फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2020 है।

एमबीए और एमसीए के लिए आवेदन 7 मई से

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा, साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। उप्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि. की क्षेत्रीय समन्वयक ड रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति, अनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई एवं अनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई हो गई है। अनलाइन आवेदन की हार्ड कपी जमा करने की तिथि 31 मई हो गई है। एमबीए, एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020-2021 के लिए पंजीकरण 7 मई से प्रारंभ होगें। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई एवं फर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है।

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि में एमबीए व एमसीए के लिए आवेदन आज से

बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ी

समय जगत, झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा। साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है।

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति, ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई एवं ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि अब 31 मई हो गई है।

एमबीए, एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020 -2021 के लिए पंजीकरण करने की तारीख 7 मई से प्रारंभ होगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई है एवं फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है।

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. में एमबीए और एमसीए के लिए आवेदन 7 मई से शुरू

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा, साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई 2020 एवं ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई 2020 हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि अब 31 मई हो गई है। एमबीए / एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020 -2021 के लिए पंजीकरण करने की तारीख 7 मई 2020 से प्रारंभ होगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 है एवं फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2020 है।

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. में बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ी

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा। इसके साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई 2020 एवं ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई 2020 हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि अब 31 मई हो गई है। एमबीए / एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020 -2021 के लिए पंजीकरण करने की तारीख 7 मई 2020 से प्रारंभ होगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 है एवं फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2020 है।

स्वदेश
Powered By : Swadesh Digital

उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. में बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ी

झाँसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए आवेदन 7 मई से शुरू होगा। इसके साथ ही बीएड में पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि पूर्व में निर्धारित प्रवेश पंजीकरण की तिथियों को बढ़ा दिया गया है। प्रवेश पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि अब 20 मई 2020 एवं ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 मई 2020 हो गई है। ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की तिथि अब 31 मई हो गई है। एमबीए / एमसीए की प्रवेश परीक्षा वर्ष 2020 -2021 के लिए पंजीकरण करने की तारीख 7 मई 2020 से प्रारंभ होगी। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई 2020 है एवं फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2020 है।

Jhansi Edition
6 May, 2020 Page No. 2

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

11 मई, 2020

परीक्षा समिति की 29वीं बैठक आयोजित

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 29वीं बैठक दिनांक 11 मई, 2020 को अपराह्न 1:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संतोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 दिनेश सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा गया। सभी सदस्यों ने गमछा एवं फेस मास्क लगाकर बैठक में प्रतिभाग किये।

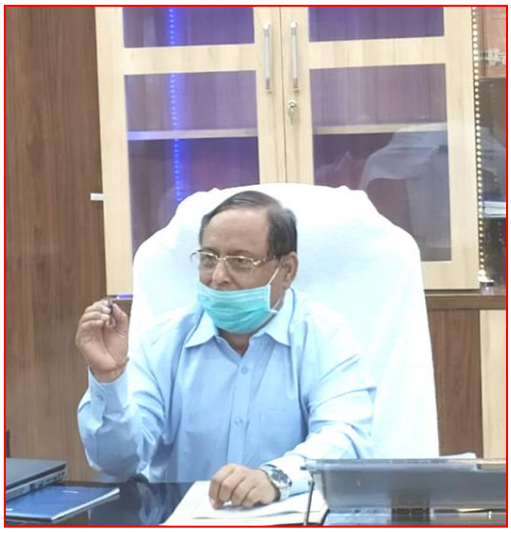

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 मई, 2020

विश्वविद्यालय दैनिक समाचार पत्रों की दृष्टि में

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

UPRTOU extended admission date for second and third year till May 20

Breaking News State News

Prayagraj. Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, has provided one week opportunity to the students taking admission in the undergraduate and postgraduate second and third year of session January-2020. Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh has provided the last chance for students who are yet to take admission due to global epidemic corona from 14 to 20 May 2020. Those students who have been denied admission till now, can ensure online admission from May 14 to 20 by visiting the university website. Thereafter, they will not be given any opportunity.

It is noteworthy that the results of all the subjects of the session December 2019 have been declared but due to the outbreak of Kovid-19 corona epidemic, the first year and second year students of undergraduate and postgraduate were denied admission in second and third year respectively.

Media in-charge Dr Prabhat Chandra Mishra said that there was a demand to increase the admission date of students from various regional centers and study centers in the state. Keeping this in mind, Vice Chancellor Professor Singh decided to extend the last date till May 20 in the interest of students. Information related to this is available on the university website. Undergraduate and postgraduate students who want to take admission in the second and third year should complete the online admission process from the website.

Dr. Mishra informed that Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh has extended the last date for submission of assignments (Adhyanas) for the students appearing in the upcoming examination due to the lockdown due to the outbreak of Corona epidemic.

It is worth noting that online process related to admission and examination in Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University is being successfully carried out since last year 2016, in such a situation that any learner from any region of the state can sit online from the website of the university. Can do it. Updated information is available on the university website. The benefit of which is being given to the students of more than 1000 study centers under 12 regional centers spread across the state

दैनिक जागरण

कोरोना को हराना है

मुविवि ने बढ़ाई आवेदन की तिथि

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सत्र जनवरी-2020 के स्नातक-स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने के इच्छुक शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का और मौका दिया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने आवेदन करने की तिथि बढ़ाकर 20 मई कर दी है। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से तमाम छात्र-छात्राओं की प्रवेश तिथि को बढ़ाने की मांग आ रही थी। जिसको देखते हुए अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाया गया। इससे संबंधित सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर के ऐसे छात्र जो द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेना चाहते हैं वह वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर लें। इसके अलावा असाइनमेंट (अधिन्यास) जमा करने की अंतिम तिथि 30 मई 2020 तक बढ़ा दी गई है।

दैनिक जागरण

inext

NEXT CITY FOCUS/ZOOM

मुविवि ने बढ़ाई आवेदन की डेट

PRAYAGRAJ (14 May): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी ने सेशन जनवरी-2020 के स्नातक-स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने के इच्छुक स्टूडेंट्स को एक सप्ताह का और मौका दिया है. वीसी प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने आवेदन करने की तिथि बढ़ाकर 20 मई कर दी है. विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के रीजनल सेंटर्स एवं स्टडी सेंटर्स से तमाम छात्र-छात्राओं की एडमिशन डेट बढ़ाने की मांग आ रही थी. इसको देखते हुए लास्ट डेट 20 मई तक बढ़ाई गई. इससे संबंधित सूचना यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध है.

हजारों पटरी दुकानदारों को अब मिलेगी मदद पेज 05 | सीमा पर जवान शांति बनाए रखते हैं: नरवणे पेज 10

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

मुविवि: प्रवेश के लिए 20 मई तक खुली वेबसाइट

प्रयागराज | **निज संवाददाता**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) ने सत्र जनवरी-2020 के स्नातक तथा स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया है।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने वैश्विक महामारी कोरोना के चलते अभी तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों के लिए 14 से 20 मई तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका प्रदान किया है। जो शिक्षार्थी अभी तक प्रवेश से वंचित रह गए हैं, वह वेबसाइट पर 14 से 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विभिन्न केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से छात्र-छात्राओं की प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी। डॉ. मिश्र ने यह भी बताया कि कोरोना महामारी के प्रकोप से लॉकडाउन के कारण आगामी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने असाइनमेंट (अधिन्यास) जमा करने की अंतिम तिथि 30 मई तक बढ़ा दी है।

अमर उजाला
अगर हो सर्दी-जुकाम, न हों ज्यादा परेशान | बरतें सावधानी, न कोई चिंता न परेशानी
प्रयागराज शुक्रवार, 15 मई 2020 amarujala.com

मुक्त विवि ने प्रवेश की तारीख बीस तक बढ़ाई

स्नातक-स्नाकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश के लिए अतिरिक्त अवसर

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने सत्र जनवरी-2020 के स्नातक और स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का अतिरिक्त अवसर दिया गया है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने लॉकडाउन के कारण अब तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों को 20 मई तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका दिया है। इसके साथ ही एसाइनमेंट जमा किए जाने की तिथि भी 30 मई तक बढ़ा दी गई है।

जो शिक्षार्थी प्रवेश से वंचित रह गए हैं, वे मुविवि की वेबसाइट पर 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई अवसर नहीं दिया जाएगा। सत्र दिसंबर-2019 के सभी विषयों के परीक्षाफल घोषित हो चुके हैं, लेकिन लॉकडाउन के कारण स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने से वंचित रह गए थे। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने के अनुसार विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी।

सभी बिंदुओ को ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने छात्रों के हित में अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 | हिन्दी दैनिक | Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात
आपके साथ

वर्ष : 09 अंक : 115 फतेहपुर, शुक्रवार, 15 मई, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

मुविवि ने द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रवेश तिथि 20 मई तक बढ़ाई, एसाइनमेंट 30 मई तक

हर बात संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी -2020 के सनतक तथा सनतकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया गया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने वैश्विक महामारी कोरोना के चलते अभी तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों के लिए 14 से 20 मई 2020 तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका प्रदान किया है।जो जो शिक्षार्थी अभी तक प्रवेश से वंचित रह गए है वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 14 से 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि सत्र दिसंबर 2019 के सभी विषयों के परीक्षाफल घोषित हो चुके हैं परंतु कोविद- 19 कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण सनतक तथा सनतकोत्तर के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने से वंचित रह गए थे।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से छात्र-छात्राओं की प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी। जिसको ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने छात्रों के हित में अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाने का निणय लिया।इससे संबंधित सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सनतक तथा सनतकोत्तर के ऐसे छात्र जो द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेना चाहते है वह वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर लें।डॉ मिश्रा ने बताया कि कोरोना महामारी के प्रकोप से लॉकडाउन के कारण आगामी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने असाइनमेंट (अधिन्यास) जमा करने की अंतिम तिथि 30 मई 2020 तक बढ़ा दी है।गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश एवं परीक्षा से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रिया विगत वर्ष 2016 से ही सफलतापूर्वक संपादित कराई जा रही है, ऐसी स्थिति में प्रदेश के किसी भी क्षेत्र का कोई भी शिक्षार्थी घर बैठे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन सभी प्रक्रियाएं पूरी कर सकता है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतन सूचनाएं उपलब्ध है। जिसका लाभ प्रदेश भर में फैले 12 क्षेत्रीय केंद्रों के अंतर्गत आने वाले 1000 से अधिक अध्ययन केंद्रों के छात्र छात्राओं को मिल रहा है।

लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ, शुक्रवार, 15 मई 2020

यूपीआरटीओयू ने बढ़ाई स्नातक में आवेदन की तिथि

लखनऊ। राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी ने स्नातक में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ दी है। इस बारे में जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि सत्र 2020—21 के स्नातक व स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि ये निर्णय कुलपति के आदेश पर लिया गया है। अभी तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों के लिए 14 से 20 मई तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका प्रदान किया है। जो जो शिक्षार्थी अभी तक प्रवेश से वंचित रह गए हैं वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 14 से 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। बता दे कि सत्र दिसंबर 2019 के सभी विषयों के परीक्षाफल घोषित हो चुके हैं लेकिन कोविड– 19 कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण स्नातक तथा स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने से वंचित रह गए थे। डॉ मिश्र ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से छात्र–छात्राओं की प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी। जिसको ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने छात्रों के हित में अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया।

वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 78 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शुक्रवार 15 मई 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

मुविवि ने द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रवेश तिथि 20 मई तक बढ़ाई, एसाइनमेंट 30 मई तक जमा होंगे

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी 2020 के स्नातक तथा स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया गया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने वैश्विक महामारी कोरोना के चलते अभी तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों के लिए 14 से 20 मई 2020 तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका प्रदान किया है।

जो जो शिक्षार्थी अभी तक प्रवेश से वंचित रह गए हैं वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 14 से 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सत्र दिसंबर 2019 के सभी विषयों के परीक्षाफल घोषित हो चुके हैं परंतु कोविद 19 कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण स्नातक तथा स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने से वंचित रह गए थे।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से छात्रछात्राओं की प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी। जिसको ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने छात्रों के हित में अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया। इससे संबंधित सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर के ऐसे छात्र जो द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेना चाहते हैं वह वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर लें। डॉ मिश्रा ने बताया कि कोरोना महामारी के प्रकोप से लॉकडाउन के कारण आगामी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने असाइनमेंट (अधिन्यास) जमा करने की अंतिम तिथि 30 मई 2020 तक बढ़ा दी है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश एवं परीक्षा से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रिया विगत वर्ष 2016 से ही सफलतापूर्वक संपादित कराई जा रही है, ऐसी स्थिति में प्रदेश के किसी भी क्षेत्र का कोई भी शिक्षार्थी घर बैठे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन सभी प्रक्रियाएं पूरी कर सकता है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतन सूचनाएं उपलब्ध हैं। जिसका लाभ प्रदेश भर में फैले 12 क्षेत्रीय केंद्रों के अंतर्गत आने वाले 1000 से अधिक अध्ययन केंद्रों के छात्र छात्राओं को मिल रहा है।

विश्व आई न्यूज़ विश्व आई न्यूज़

उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि 30 मई

प्रयागराज–उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं को 30 मई तक अपने अधिन्यास उत्तर पुस्तिकाओं को क्षेत्रीय कार्यालय बरेली पर समय 11:00 से 1:00 बजे के मध्य जमा कराने के लिए सूचना दे दी गई है इसके साथ ही छात्र–छात्राएं डाक द्वारा भी क्षेत्रीय कार्यालय 147 / ए सिविल लाइन सर्किट हाउस चौराहा इलाहाबाद बैंक के सामने पते पर भेज सकते हैं। यह जानकारी क्षेत्रीय समन्वयक क्षेत्रीय कार्यालय बरेली डा0 आर बी सिंह द्वारा दी गई। विश्व आई न्यूज ब्यूरो

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:19 बजे सूर्यास्त : 06:46 बजे वर्ष : 42 अंक : 139 प्रयागराज, शुक्रवार 15 मई, 2020 पृष्ठ : 12 मूल्य : 3 रुपये

मुविवि ने द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रवेश तिथि 20 तक बढ़ाई

एसाइनमेंट 30 मई तक जमा होंगे

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, ने सत्र जनवरी - 2020 के स्नतक तथा सनतकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष मे प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियो को एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया गया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने वैश्विक महामारी कोरोना के चलते अभी तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रो के लिए 14 से 20 मई 2020 तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका प्रदान किया है। जो शिक्षार्थी अभी तक प्रवेश से वंचित रह गए है वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 14 से 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित करा सकते है। इसके बाद उन्हे कोई अवसर प्रदान नही किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सत्र दिसंबर 2019 के सभी विषयो के परीक्षाफल घोषित हो चुके है परंतु कोविद- 19 कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण सनतक तथा सनतकोत्तर के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष मे प्रवेश लेने से वंचित रह गए थे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केंद्रो से छात्र-छात्राओं की प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी। जिसको ध्यान मे रखते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने छात्रो के हित में अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाने का निणय लिया। इससे संबंधित सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्धी है। सनतक तथा सनतकोत्तर के ऐसे छात्र जो द्वितीय एवं तृतीय वर्ष मे प्रवेश लेना चाहते है वह वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर लें।

कोरोना को हराएं भारत को विजयी बनाएं
लखनऊ संस्करण
वर्ष-04, अंक -203
शनिवार, 16 मई, 2020
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु.*
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
दैनिक भास्कर

मुविवि ने द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रवेश तिथि 20 मई तक बढ़ाई

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी -2020 के स्नातक तथा स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया गया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने वैश्विक महामारी कोरोना के चलते अभी तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों के लिए 14 से 20 मई 2020 तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका प्रदान किया है। जो जो शिक्षार्थी अभी तक प्रवेश से वंचित रह गए हैं वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 14 से 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सत्र दिसंबर 2019 के सभी विषयों के परीक्षाफल घोषित हो चुके हैं परंतु कोविद- 19 कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण स्नातक तथा स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने से वंचित रह गए थे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से छात्र-छात्राओं की प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी। जिसको ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने छात्रों के हित में अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया। इससे संबंधित सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर के ऐसे छात्र जो द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेना चाहते हैं वह वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर लें। डॉ मिश्रा ने बताया कि कोरोना महामारी के प्रकोप से लॉकडाउन के कारण आगामी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने असाइनमेंट (अधिन्यास) जमा करने की अंतिम तिथि 30 मई 2020 तक बढ़ा दी है।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, शनिवार , 16 मई 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08
हिन्दी दैनिक
दैनिक कर्मठ

मुविवि के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रवेश तिथि 20 मई तक बढ़ी

छूटे हुए शिक्षार्थियों के लिए राहत,अब एसाइनमेंट भी 30 मई तक होगे जमा

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी –2020 के स्नातक तथा स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को एक सप्ताह का अवसर प्रदान किया गया है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने वैश्विक महामारी कोरोना के चलते अभी तक प्रवेश न ले पाने वाले छात्रों के लिए 14 से 20 मई 2020 तक प्रवेश लेने का अंतिम मौका प्रदान किया है।

जो जो शिक्षार्थी अभी तक प्रवेश से वंचित रह गए हैं वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर 14 से 20 मई तक ऑनलाइन प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सत्र दिसंबर 2019 के सभी विषयों के परीक्षाफल घोषित हो चुके हैं परंतु कोविद– 19 कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण स्नातक तथा स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेने से वंचित रह गए थे।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों एवं अध्ययन केंद्रों से छात्र–छात्राओं की प्रवेश तिथि बढ़ाने की मांग आ रही थी। जिसको ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने छात्रों के हित में अंतिम तिथि 20 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया। इससे संबंधित सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर के ऐसे छात्र जो द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश लेना चाहते हैं वह वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर लें।

डॉ मिश्रा ने बताया कि कोरोना महामारी के प्रकोप से लॉकडाउन के कारण आगामी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने असाइनमेंट (अधिन्यास) जमा करने की अंतिम तिथि 30 मई 2020 तक बढ़ा दी है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश एवं परीक्षा से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रिया विगत वर्ष 2016 से ही सफलतापूर्वक संपादित कराई जा रही है, ऐसी स्थिति में प्रदेश के किसी भी क्षेत्र का कोई भी शिक्षार्थी घर बैठे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन सभी प्रक्रियाएं पूरी कर सकता है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतन सूचनाएं उपलब्ध है। जिसका लाभ प्रदेश भर में फैले 12 क्षेत्रीय केंद्रों के अंतर्गत आने वाले 1000 से अधिक अध्ययन केंद्रों के छात्र छात्राओं को मिल रहा है।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

19 मई, 2020

एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यकर्ता प्रशिक्षण में "विश्वविद्यालयों में स्थापित दीनदयाल शोध पीठों की संकल्पना एवं हमारी भूमिका" विषय पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह का विशेष व्याख्यान

ऑनलाइन कार्यकर्ता प्रशिक्षण संपन्न

एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यकर्ता प्रशिक्षण दिनांक 19 मई 2020 को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण सत्र के छठें एवं समापन सत्र के अवसर पर **"विश्वविद्यालयों में स्थापित दीनदयाल शोध पीठों की संकल्पना एवं हमारी भूमिका"** विषय पर प्रदेश के लगभग 52 जनपदों के प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ | ज्ञातव्य है कि 13 मई से प्रारम्भ इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में प्रतिष्ठान के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डा.महेश चन्द्र शर्मा जी द्वारा प्रतिदिन प्रदेश स्तरीय ऑनलाइन सत्रों में विभिन्न विषयों पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं का विस्तार से प्रबोधन किया गया एवं एकात्म मानव वाद के गूढ़तम रहस्यों को बड़े ही सहज भाव से समझाया गया।

वर्तमान लाकडाउन के समय में उत्तर प्रदेश के चयनित कार्यकर्ताओं का 6 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का ऑनलाइन आयोजन किया गया | जिसका आज विधिवत सामापन हुआ| इस प्रशिक्षण अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के लगभग 57 जनपदों के कार्यकर्ता प्रतिनिधियों ने विभिन्न सत्रों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की | पूरे प्रशिक्षण सत्र का तकनीकि नियंत्रण एवं संचालन कानपुर क्षेत्र के संयोजक ई. प्रवीण पांडे के निर्देशन में, ई. अभिनव द्विवेदी, मोहित मिश्र आदि तकनीकि कौशल युक्त कार्यकर्ताओं की टीम ने किया|

इस प्रशिक्षण अभियान में काशी के क्षेत्रीय संयोजक बाल कृष्ण पाण्डेय, प्रशिक्षण प्रभारी डॉ उपेंद्र देव, कानपुर के संयोजक प्रवीण पाण्डेय, ब्रज के संयोजक अमितेश अमित, पश्चिम क्षेत्र के प्रभारी डॉ योगेंद्र शर्मा, डॉक्टर शिवा त्रिपाठी, डॉ मंजू बघेल, डॉक्टर स्वाति गर्ग, विश्वविद्यालय आयाम के प्रदेश प्रमुख प्रो. राजेश कुमार सिंह, गोरखपुर क्षेत्र के संयोजक सुधीर पाण्डेय,प्रशिक्षण प्राभारी डॉ.पंकज सिंह पत्रकार मनोज सिंह, पवन पाण्डेय लखीमपुर के ज्योतिर्मय बरतरिया, मोहित मिश्र, डॉ अजय कुमार मिश्र,स्वाध्याय मण्डल के प्रदेश प्रमुख डॉ प्रबुद्ध त्रिपाठी,डॉ.के एन पाठक, डॉ राम दरस मिश्र, डॉक्टर अरुण कांत, प्रियन्क आर्या, डॉ राणा रणधीर सिंह, राजीव पाठक, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अयोध्या के क्षेत्रीय निदेशक डॉ शशि भूषणराम त्रिपाठी, डॉ गोपाल नंदन श्रीवास्तव, प्रवीण सिंह, डॉ राहुल तिवारी, सहित पूरे प्रदेश के विभिन्न जनपदों से अनेकानेक कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया।

शोधपीठों को अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने के लिये आगे आना पड़ेगा : प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

मुख्य वक्ता राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कोई भी राष्ट्र आयातित विचारों से विकसित एवं परिपुष्ट नहीं हो सकता, पौधे के तनों को खींच कर नहीं बढ़ाया जा सकता, बल्कि वह अपने ही जड़ो से तत्व लेकर बढ़ेगा, भारत की पुरातन परम्पराएं समृद्ध एवं दृढ़ हैं |1956 से 1961 की पंचवर्षीय योजना आयातित थी, कालान्तर में नाना जी देशमुख ने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों से प्रेरित होकर दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना की, जिसमें कृषि तथा अन्य भारतीयता पूर्ण विचारों से ओतप्रोत विकास के अनेकों नए – नए आयाम विकसित किये गए।आज कोविड 19 के वैश्विक संकट ने समस्त विश्व का एवं भारतवासियों का ध्यान आत्मनिर्भरता की ओर आकृष्ट किया है | देश और प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्थापित शोधपीठों को अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने के लिये आगे आना पड़ेगा | शोध कार्यों एवं विश्वविद्यालयीय संरचना को सामाजिक सरोकारों के साथ समन्वय स्थापित कर एक अनूकूल परिस्थिति निर्माण का कारक बनाना,आज के समय की आवश्यकता है| जहाँ समस्त नागरिक अपने गुणों को विकसित करते हुए विषम परिस्थितियों में भी विकास के पथ पर अपने मूल के साथ जुड़ कर अग्रसर हो सकें।

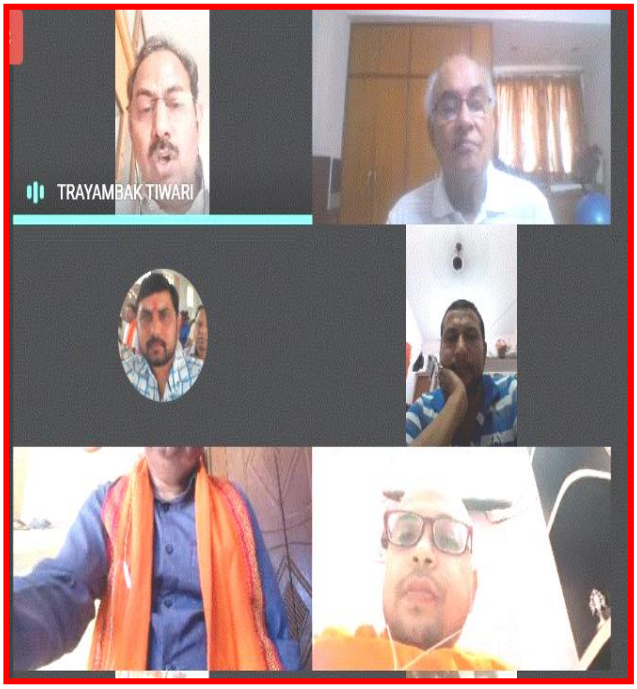

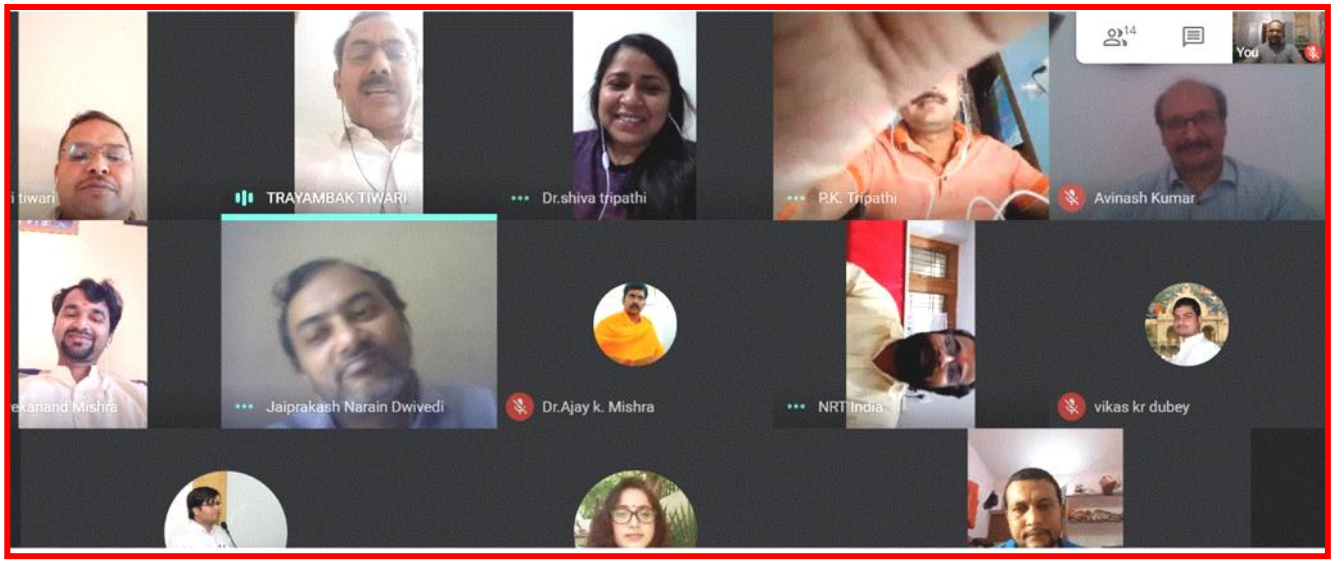

इस अवसर पर एकात्म प्रतिष्ठान के अध्यक्ष, पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपने -अपने क्षेत्रों में स्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्थापित दीनदयाल शोध पीठों के निदेशकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए समाज की आवश्यकता के अनुरूप आवश्यक विषयों पर शैक्षणिक एवं विकास के अनुरूप वातावरण बनाने के लिए प्रयत्न करना होगा | उन्होंने प्रतिष्ठान के कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि विभिन्न स्थानों पर स्थापित शोध पीठों के माध्यम से स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप मॉडल विकसित करने के लिए प्रयत्न करें।

प्रतिष्ठान के सह संयोजक प्रोफेसर त्रिलोचन शर्मा ने उत्तर प्रदेश के दीनदयाल शोध पीठों की वर्तमान परिस्थिति की चर्चा करते हुए कहा कि अभी यह शोधपीठें सेमिनार, कार्यशाला और विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से कार्य कर रही हैं | प्रतिष्ठान प्रयत्न करेगा कि आगामी भविष्य में उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों के शोध पीठ के निदेशकों की एक कार्यशाला आयोजित की जा सके;जिसके माध्यम से भविष्य की योजनाओं की आधारशिला रखी जा सके।

एकात्म प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश के संयोजक श्री त्रयंबक तिवारी ने इस छह दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. एन. सिंह एवं प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉक्टर महेश चंद्र शर्मा का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विगत 6 दिनों में उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं का जिस प्रकार से सक्षम मार्गदर्शन इस प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से हुआ है, वह हम सबके लिए एक दिशा बोधक आयोजन सिद्ध हुआ है| कोरोना संकट के काल में ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से प्रदेश के अनेकों जनपदों के कार्यकर्ताओं का मिलन एवं चिंतन उत्साहवर्धक रहा है; निकट भविष्य में एक वृहद योजना बनाकर प्रतिष्ठान संपूर्ण प्रदेश में सामाजिक सरोकारों के दृष्टिगत एक वातावरण निर्माण करने का प्रयत्न करेगा |

प्रशिक्षण अभियान के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए प्रतिष्ठान के सह संयोजक ई. रवि तिवारी ने कहा कि आज सम्पूर्ण मानवता जी संकट के मुहाने पर खड़ी है ऐसे कालखंड में मानवीय संवेदनाओं से युक्त एकात्मता के विराट स्वरूप को संजोये असंख्य कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है| एकात्म मानव प्रतिष्ठान निरन्तर ऐसे कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया में निरत है|

जय श्री श्याम

जो तेरे नाम पर ही श्याम,
जीते है मरते है,

उनके दिन सुख चैन से ही,
सदा गुजरते हैं

तुमसे ही लगन लगाते हैं,
रात-दिन तेरे खाते हैं।।

।। जय श्री श्याम।।

R.N.I. REGD.NO.GUJHIN/2012/47584

अतुल्य हिन्दुस्तान

हिन्दी दैनिक

■ संपादक : रजनीश एस.लील्हा वर्ष : 8 ■ अंक : 239 www.atulyahindustan.com ■ बुधवार, 20 मई, 2020 ■ सूरत ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1 उप संपादक : सुरेश गोस्वामी

एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यकर्ता प्रशिक्षण आज सम्पन्न हो गया

वाराणसी ब्यूरो चीफ कृष्णा पंडित

प्रशिक्षण सत्र के छठें एवं समापन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालयों में स्थापित दीनदयाल शोध पीठों की संकल्पना एवं हमारी भूमिका विषय पर प्रदेश के लगभग 52 जनपदों के प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ 7 ज्ञातव्य है कि 13 मई से प्रारम्भ इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में प्रतिष्ठान के *अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डा.महेश चन्द्र शर्मा जी* द्वारा प्रतिदिन प्रदेश स्तरीय ऑनलाइन सत्रों में विभिन्न विषयों पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं का विस्तार से प्रबोधन किया गया एवं एकात्म मानव वाद के गू?तम रहस्यों को ब? ही सहज भाव से समझाया गया;जिसके उपरान्त आज राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कोई भी राष्ट्र आयातित विचारों से विकसित एवं परिपुष्ट नहीं हो सकता, पौधे के तनों को खींच कर नहीं बढ़ाया जा सकता, बल्कि वह अपने ही जड़ो से तत्व लेकर बढ़ेगा, भारत की पुरातन परम्पराएं समृद्ध एवं दृढ हैं 71956 से 1961 की पंचवर्षीय योजना आयातित थी, कालान्तर में नाना जी देशमुख ने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों से प्रेरित होकर दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना की, जिसमें कृषि तथा अन्य भारतीयता पूर्ण विचारों से ओतप्रोत विकास के अनेकों नए ङ्क नए आयाम विकसित किये गए।आज कोविड 19 के वैश्विक संकट ने समस्त विश्व का एवं भारतवासियों का ध्यान आत्मनिर्भरता की ओर आकृष्ट किया है। देश और प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्थापित शोधपीठों को अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने के लिये आगे आना पड़ेगा । शोध कार्यों एवं

विश्वविद्यालयीय संरचना को सामाजिक सरोकारों के साथ समन्वय स्थापित कर एक अनूकूल परिस्थिति निर्माण का कारक बनाना,आज के समय की आवश्यकता है। जहाँ समस्त नागरिक अपने गुणों को विकसित करते हुए विषम परिस्थितियों में भी विकास के पथ पर अपने मूल के साथ जुड़ कर अग्रसर हो सकें इस अवसर पर एकात्म प्रतिष्ठान के अध्यक्ष, पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपने -अपने क्षेत्रों में स्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्थापित दीनदयाल शोध पीठों के निदेशकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए समाज की आवश्यकता के अनुरूप आवश्यक विषयों पर शैक्षणिक एवं विकास के अनुरूप वातावरण बनाने के लिए प्रयत्न करना होगा। उन्होंने प्रतिष्ठान के कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि विभिन्न स्थानों पर स्थापित शोध पीठों के माध्यम से स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप मॉडल विकसित करने के लिए प्रयत्न करें।प्रतिष्ठान के सह संयोजक प्रोफेसर त्रिलोचन शर्मा ने उत्तर प्रदेश के दीनदयाल शोध पीठों की वर्तमान परिस्थिति की चर्चा करते हुए कहा कि अभी यह शोधपीठें सेमिनार, कार्यशाला और विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से कार्य कर रही हैं 7 प्रतिष्ठान प्रयत्न करेगा कि आगामी भविष्य में उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों के शोध पीठ के निदेशकों की एक कार्यशाला आयोजित की जा सके;जिसके माध्यम से भविष्य की योजनाओं की आधारशिला रखी जा सके।

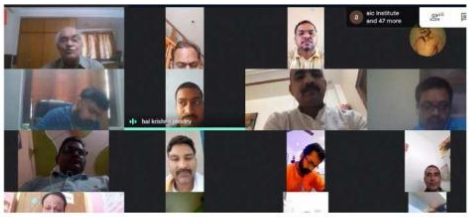

एकात्म प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश के संयोजक श्री त्रयंबक तिवारीने इस छह दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. एन. सिंह एवं प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉक्टर महेश चंद्र शर्मा का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा !कि विगत 6 दिनों में उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं का जिस प्रकार से सक्षम मार्गदर्शन इस प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से हुआ है, वह हम सबके लिए एक दिशा बोधक आयोजन सिद्ध हुआ है7 कोरोना संकट के काल में ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से प्रदेश के अनेकों जनपदों के कार्यकर्ताओं का मिलन एवं चिंतन उत्साहवर्धक रहा है; निकट भविष्य में एक वृहद योजना बनाकर प्रतिष्ठान संपूर्ण प्रदेश में सामाजिक सरोकारों के दृष्टिगत एक वातावरण निर्माण करने का प्रयत्न करेगा।

प्रशिक्षण अभियान के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए प्रतिष्ठान के सह संयोजक ई. रवि तिवारी ने कहा कि आज सम्पूर्ण मानवता जी संकट के मुहाने पर खड़ी है ऐसे कालखंड में मानवीय संवेदनाओं से युक्त एकात्मता के विराट स्वरूप को संजोये असंख्य कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। एकात्म मानव प्रतिष्ठान निरन्तर ऐसे कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया में निरत है। वर्तमान लाकडाउन के समय में उत्तर प्रदेश के चयनित कार्यकर्ताओं का 6 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का ऑनलाइन आयोजन किया गया ।

जिसका आज विधिवत सामापन हुआ। इस प्रशिक्षण अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के लगभग 57 जनपदों के कार्यकर्ता प्रतिनिधियों ने विभिन्न सत्रों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की । पूरे प्रशिक्षण सत्र का तकनीकि नियंत्रण एवं संचालन कानपुर क्षेत्र के संयोजक ई. प्रवीण पांडे के निर्देशन में, ई. अभिनव द्विवेदी, मोहित मिश्र आदि तकनीकि कौशल युक्त कार्यकर्ताओं की टीम ने किया।

इस प्रशिक्षण अभियान में काशी के क्षेत्रीय संयोजक बाल कृष्ण पाण्डेय, प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. उपेन्द्र देव पाण्डेय, कानपुर के संयोजक प्रवीण पाण्डेय, ब्रज के संयोजक अमितेश अमित, पश्चिम क्षेत्र के प्रभारी डॉ योगेंद्र शर्मा, डॉक्टर शिवा त्रिपाठी, डॉ मंजू बघेल, डॉक्टर स्वाति गर्ग, विश्वविद्यालय आयाम के प्रदेश प्रमुख प्रो. राजेश कुमार सिंह, गोरखपुर क्षेत्र के संयोजक सुधीर पाण्डेय,प्रशिक्षण प्राभारी डॉ.पंकज सिंह पत्रकार मनोज सिंह, पवन पाण्डेय लखीमपुर के ज्योतिर्मय बरतरिया, मोहित मिश्र, डॉ अजय कुमार मिश्र,स्वाध्याय मण्डल के प्रदेश प्रमुख डॉ प्रबुद्ध त्रिपाठी,डॉ.के एन पाठक, डॉ राम दरस मिश्र, डॉक्टर अरुण कांत, प्रियन्क आर्या, डॉ राणा रणधीर सिंह, राजीव पाठक, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अयोध्या के क्षेत्रीय निदेशक डॉ शशि भूषणराम त्रिपाठी, डॉ गोपाल नंदन श्रीवास्तव, प्रवीण सिंह, डॉ राहुल तिवारी, सहित पूरे प्रदेश के विभिन्न जनपदों से अनेकानेक कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया।

Email:-vidhankesari1@gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com www.vidhankesari.com

मुरादाबाद-बिजनौर-बरेली लखनऊ से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

विधान केसरी

...खबर सिर्फ जनहित के लिए

दूरदर्शिता जो दूसरे नहीं देख पाए उसे देख पाने की कला है।

DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बरेली संस्करण, बुधवार, 20 मई 2020 (वर्ष-6 अंक 182), मूल्य:-2.00 रुपये पृष्ठ-10 रजि. नं:- UPHIN/2014/60905

कोरोना संकट और भारतः चुनौती एवं रणनीति

प्रयागराज (विधान केसरी)। कोविड- 19 संकट एक विश्वव्यापी महामारी के रूप में सामने आया है। जिसने मानव जीवन पर प्राणघातक हमला किया है, जिससे पूरे विश्व का सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवसायिक ढांचा चरमरा गया है। भारत भी उसी विश्व का एक अंग है। यहां भारत के संदर्भ में इसकी चर्चा करेंगे।

उपर्युक्त विषय चर्चा करते हुए डॉ अरुण गुप्ता कुलसचिव राजऋषि टंडन मुक्त विषयव विद्यालय ने एक वार्ता में बताया कि भारत में लॉकडॉउन के लगभग 54 दिन होने जा रहे हैं। पहले लॉक डाउन में यह आशा की गई थी कि लगभग 21 दिनों में हम संक्रमण में काबू पा लेंगे, परंतु स्थितियां हाथों से निकलती गई और हमें लॉकडाउन- 2, लॉकडाउन- 3 एवं लॉकडाउन- 4 की घोषणा करने को बाध्य होना पड़ा। इस लॉकडॉन ने भारत की आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को न केवल प्रभावित किया है वरन पूरी तरह से ठप कर दिया है। लाखों लोग बेरोजगार हो गए हैं। दुकानें एवं व्यवसाय बंद हैं और देश में आंतरिक विस्थापन की भयावह स्थिति है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविद -19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमतर स्वास्थ्य सेवा वाले देश में यह स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषकर उन लाखों मजदूरों और श्रमिकों के संदर्भ में जो महामारी में रोजगार खत्म होने के कारण अपने घर और गांव लौट रहे हैं। यह एक अजीब स्थिति है। जहां एक ओर उनके लिए गांव में रोजगार नहीं है दूसरी ओर महानगरों में जिन कारखानों से वो आए हैं, वह कारखाने भी श्रमिकों के अभाव में सीमित संसाधनों से अपना अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पाएंगे। आज महत्वपूर्ण यह है कि किया क्या जाना चाहिए ? यह हमारे सामने गंभीर चुनौती है और इससे निपटने की रणनीति क्या होनी चाहिए? कुल सचिवके अनुसार भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य है। जिसने स्वतंत्रता के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया और देश में आर्थिक न्याय को ध्यान में रखकर समाजवादी रुझान के अंतर्गत कल्याणकारी राज्य को व्यावहारिक रूप प्रदान किया। सन 1990 से शुरू वैश्वीकरण के दौर में भारत सहित विश्व के राज्यों ने विभिन्न सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में लोक कल्याणकारी राज्य की भूमिका को कम कर के निजीकरण को बढ़ावा दिया है तथा वैश्वीकरण को अपनाया। परंतु कोविड - 19 के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का वैश्वीकरण हो गया है। इससे पुनः एक बार राज्य एवं सरकार की भूमिका केंद्र में आ गई है। कोविड -19 के संक्रमण/संकट से निपटने के लिए भारत सरकार को एक विस्तृत, दूरगामी एवं परिणामोन्मुख योजना बनानी होगी, क्योंकि यह संकट अभी जाने वाला नहीं है।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

वर्ष : 05 अंक : 149 प्रयागराज, बुधवार , 20 मई 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08 मूल्य : 1/ रूपया

कोरोना संकट और भारत : चुनौती एवं रणनीति

कोविद– 19 संकट एक विश्वव्यापी महामारी के रूप में सामने आया है। जिसने मानव जीवन पर प्राणघातक हमला किया है, जिससे पूरे विश्व का सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवसायिक ढांचा चरमरा गया है। भारत भी उसी विश्व का एक अंग है। यहां भारत के संदर्भ में इसकी चर्चा करेंगे। भारत में लॉकडॉउन के लगभग 54 दिन होने जा रहे हैं। पहले लॉक डाउन में यह आशा की गई थी कि लगभग 21 दिनों में हम संक्रमण में काबू पा लेंगे, परंतु स्थितियां हाथों से निकलती गई और हमें लॉकडाउन– 2, लॉकडाउन– 3 एवं लॉकडाउन– 4 की घोषणा करने को बाध्य होना पड़ा। इस लॉकडॉन ने भारत की आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को न केवल प्रभावित किया है वरन पूरी तरह से ठप कर दिया है। लाखों लोग बेरोजगार हो गए हैं। दुकानें एवं व्यवसाय बंद हैं और देश में आंतरिक विस्थापन की भयावह स्थिति है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविद –19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमतर स्वास्थ्य सेवा से वो आए हैं, वह कारखाने भी श्रमिकों के अभाव में सीमित संसाधनों से अपना अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पाएंगे। आज महत्वपूर्ण यह है कि किया क्या जाना चाहिए ? यह हमारे सामने गंभीर चुनौती है और इससे निपटने की रणनीति क्या होनी चाहिए ?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य है। जिसने स्वतंत्रता के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया और देश में आर्थिक न्याय को ध्यान में रखकर समाजवादी रुझान के अंतर्गत कल्याणकारी राज्य को व्यावहारिक रूप प्रदान किया। सन 1990 से शुरू वैश्वीकरण के दौर में भारत सहित विश्व के राज्यों ने विभिन्न सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में लोक कल्याणकारी राज्य की भूमिका को कम कर के निजीकरण को बढ़ावा दिया है तथा वैश्वीकरण को अपनाया। परंतु कोविड – 19 के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का वैश्वीकरण हो गया है। इससे पुनः एक बार राज्य एवं सरकार की भूमिका केंद्र में आ गई है। कोविड –19 के संक्रमणध्संकट से निपटने के लिए भारत सरकार को एक विस्तृत, दूरगामी एवं

परिणामोन्मुख योजना बनानी होगी, क्योंकि यह संकट अभी जाने वाला नहीं है। वैज्ञानिकों का विचार है कि वैक्सीन आने के बाद भी यह बीमारी हमारे साथ रहेगी। इस संकट से निपटने के लिए हम ध्जान है तो जहां हैध् से प्रारंभ करके ध्जान भी है और जहां भी हैध् की नीति तक आ गए हैं।

जहां तक संक्रमण का प्रश्न है इसका ग्राफ ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन उठा लिया जाए। परंतु व्यवस्था के लिए घातक होगा। समस्या इतनी जटिल एवं व्यापक है कि विभिन्न क्षेत्रों को अलग–अलग रणनीति बनानी होगी, फिर कतिपय सुझावों की चर्चा हम यहां करेंग।

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सु ढ़ीकरण आज भारत में ऐसी स्थिति बनी हुई है कि लोग मजबूर होकर शहरों से गांव लौट रहे हैं, जिनके पास न रोजगार होगा और न ही आजीविका के अन्य साधन। अतः एक बार हमें अपनी ग्रामीण व्यवस्थाध का विकास करना होगा, जिसे षडयंत्रकारी तरीके से अंग्रेजी काल में नष्ट कर दिया गया था। आज का भारत तेजी से विकसित होता हुआ एक लोकतांत्रिक देश है। जहां गांव – गांव तक तकनीक का विस्तार हो रहा है। अतः सरकार को ग्रामीण अर्थ व्यवस्थाध को नई दिशा देनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 लाख करोड़ का आर्थिक पैकेज दिया गया तथा वित्त मंत्री ने अपनी घोषणा में लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्योगों के लिए एक बड़े आर्थिक पैकेज का निध्र्ारण करते हुए भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाया जाएगा। आईएमएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड–19 के कारण भारत की विकास दर में तेजी से गिरावट आएगीयपरंतु ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमोवेश कम प्रभावित होगी और भारत के विशाल अन्न भंडार उसका सहारा बनेंगे। वास्तव में वस्तु स्थिति ऐसी ही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 50: कृषि की डिस्सेदारी है, शेष 50: में छोटे, मझोले उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का योगदान है। सरकार का आर्थिक पैकेज और विशाल भंडार एक भी बहुत प्रभावित हुआ है। स्कूल – कॉलेज बंद हैं। सभी प्रकार की परीक्षाएं स्थगित हैं। युवा निराश है। अतः सरकार को इस दिशा में सोचना पड़ेगा। परीक्षा और शिक्षण के तरीके में बदलाव लाकर उन्हें भविष्य के लिए आश्वासन देना पड़ेगा। इसके साथ–साथ सरकार को शहरी क्षेत्र के श्रमिकों और मध्यम वर्ग के लिए भी कोई ठोस योजना की घोषणा करनी चाहिए। संभव हो तो शहरी श्रमिकों के लिए अर्बन मनरेगा जैसी किसी योजना की शुरुआत करनी चाहिए। नौकरी पेशा मध्यम वर्ग के भत्तों में कटौती न करने पर भी विचार करना चाहिए। **3. वैकल्पिक स्वास्थ्य सुविधाओं को जुटाना** प्रथम लॉकडाउन (24 मार्च 2020) के समय संक्रमितों की संख्या 536 थी, परंतु आज संक्रमितों की संख्या एक लाख पार कर गई है। जब तक वैक्सीन या कोई कारगर इलाज नहीं आ जाता इसे रोकना संभव नहीं है। अतः लॉकडाउन पीरियड का उपयोग वैकल्पिक स्वास्थ्य संसाधनों को जुटाने में किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य की परिस्थितियों से निपट सकें।

4. सभी लोगों का साथ लेना द्धविपक्षी दलों काश्र

कोरोना संकट के विरुद्ध यह लड़ाई मानव जाति और प्राण घातक विषाणु का संघर्ष है। जिसमें समाज के सभी व्यक्तियों संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठन को आगे आना होगा इसके लिए सरकार को चाहिए कि आईसीएमआर के बाहर काम कर रहे स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा अर्थशास्त्रियों समाज वैज्ञानिकों और मनोविज्ञान ज्यों से परामर्श करके रणनीति बनानी चाहिए। सरकार को उदारता पूर्वक विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए ताकि आलोचना के बजाय समस्या पर ध्यान केंद्रित हो सके।

5.जीवन के मापदंडों को बदलना

आज ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई है, हमें अपने जीवन के मापदंडों को बदलना होगा। बाध्यकारी रूप से व्यक्ति एवं समाज दोनों को ष पैराडिज्म शिफ्टष में जाना चाहिए। जिसका मूल मंत्र प्केयर फॉर अदर्सष यानी पड़ोसी सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं। अपने स्तर पर जो बन सके उसको समाज के लिए करना चाहिए। **6. कुछ योजनाओं का स्थगन**

सरकार को कुछ योजनाओं को की भूमिका केंद्रीय हो गई है। भारत में संघात्मक व्यवस्था है। अतः केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और सामंजस्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को राज्यों को उनका हिस्सा और अंशदान उदारता से देना चाहिए और राज्य का कर्तव्य है कि हुए केंद्र की योजनाओं को ईमानदारी से लागू करें। इस संकट में हम योजनाओं का विकेंद्रीकरण करके ज्यादा सक्षम तरीके से निपट सकते हैं।

8. ग्लोबल– लोकल

कोरोना संकट के कारण हम ग्लोबल से लोकल हो गए हैं। हमें स्थानीय लोगों, संस्थाओं पर ध्यान देना होगा। गांधी का विचार था कि जब तक हम शोषण युक्त सुविधाओं एवं प्रकृति का अनियंत्रित दोहन बंद नहीं करेंगे, हमें ऐसे ही प्रकृतिजन्य संकट से जूझना पड़ेगा। यह कोविड –19 हमारे लिए एक सबक है। अब हम नहीं सीखेंगे तो इसके परिणाम भोगने पड़ेंगे।

डॉ अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव,
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

वर्ष : 26 | अंक : 200
प्रतापगढ़ | बुधवार , 20 मई-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपये

प्रतापगढ़, कौशाम्बी, अमेठी एवं लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन | प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com | R.N.I. No. : 71870/94

कोरोना संकट और भारत-चुनौती एवं रणनीति

डॉ अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कोविद- 19 संकट एक विश्वव्यापी महामारी के रूप में सामने आया है। जिसने मानव जीवन पर प्राणघातक हमला किया है, जिससे पूरे विश्व का सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवसायिक ढांचा चरमरा गया है। भारत भी उसी विश्व का एक अंग है। यहां भारत के संदर्भ में इसकी चर्चा करेंगे।भारत में लॉकडॉउन के लगभग 54 दिन होने जा रहे हैं। पहले लॉक डाउन में यह आशा की गई थी कि लगभग 21 दिनों में हम संक्रमण में काबू पा लेंगे, परंतु स्थितिया हाथों से निकलती गई और हमें लॉकडाउन- 2, लॉकडाउन- 3 एवं लॉकडाउन- 4 की घोषणा करने को बाध्य होना पड़ा। इस लॉकडॉन ने भारत की आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को न केवल प्रभावित किया है वरन पूरी तरह से ठप कर दिया है। लाखों लोग बेरोजगार हो गए हैं। दुकानें एवं व्यवसाय बंद हैं और देश में आंतरिक विस्थापन की भयावह स्थिति है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविद -19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमतर स्वास्थ्य सेवा वाले देश में यह स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषकर उन लाखों मजदूरों और श्रमिकों के संदर्भ में जो महामारी मे रोजगार खत्म होने के कारण अपने घर और गांव लौट रहे हैं। यह एक अजीब स्थिति है। जहां एक ओर उनके लिए गांव में रोजगार नहीं है दूसरी ओर महानगरों में जिन कारखानों से वो आए हैं, वह कारखाने भी श्रमिकों के अभाव में सीमित संसाधनों से अपना अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पाएंगे। आज महत्वपूर्ण यह है कि किया क्या जाना चाहिए ? यह हमारे सामने गंभीर चुनौती है और इससे निपटने की रणनीति क्या होनी चाहिए ?भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य है। जिसने स्वतंत्रता के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया और देश में आर्थिक न्याय को ध्यान में रखकर समाजवादी रुझान के अंतर्गत कल्याणकारी राज्य को व्यावहारिक रूप प्रदान किया। सन 1990 से शुरू वैश्वीकरण के दौर में भारत सहित विश्व के राज्यों ने विभिन्न सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में लोक कल्याणकारी राज्य की भूमिका को कम कर के निजीकरण को बढ़ावा दिया है तथा वैश्वीकरण को अपनाया। परंतु कोविड - 19 के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का वैश्वीकरण हो गया है। इससे पुनः एक बार राज्य एवं सरकार की भूमिका केंद्र में आ गई है। कोविड -19 के संक्रमण/संकट से निपटने के लिए भारत सरकार को एक विस्तृत, दूरगामी एवं परिणामोन्मुख योजना बनानी होगी, क्योंकि यह संकट अभी जाने वाला नहीं है। वैज्ञानिकों का विचार है कि वैक्सीन आने के बाद भी यह बीमारी हमारे साथ रहेगी। इस संकट से निपटने के लिए हम «जान भी है और जहां भी है» की नीति तक आ गए हैं।जहां तक संक्रमण का प्रश्न है इसका ग्राफ ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन उठा लिया जाए। परंतु लॉकडाउन के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग हाशिए पर चले गए हैं, जिससे लाखों गरीब पीड़ित हो गए हैं और हजारों मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज के दबाव में आ गए हैं। ऐसी स्थिति में असुरक्षा की भावना असंतोष को जन्म दे सकती है, जो हमारी दबाव ग्रस्त आर्थिक व्यवस्था एवं संवेदनशील सामाजिक व्यवस्था के लिए घातक होगा। समस्या इतनी जटिल एवं व्यापक है कि विभिन्न क्षेत्रों को अलग-अलग रणनीति बनानी होगी, फिर कतिपय सुझावों की चर्चा हम यहां करेंगे–

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण

आज भारत में ऐसी स्थिति बनी हुई है कि लोग मजबूर होकर शहरों से गांव लौट रहे हैं, जिनके पास न रोजगार होगा और न ही आजीविका के अन्य साधन। अतः एक बार हमें अपनी %ग्रामीण व्यवस्था% का विकास करना होगा, जिसे षड्यंत्रकारी तरीके से अंग्रेजी काल में नष्ट कर दिया गया था। आज का भारत तेजी से विकसित होता हुआ एक लोकतांत्रिक देश है। जहा गांव - गांव तक तकनीक का विस्तार हो रहा है। अतः सरकार को «ग्रामीण अर्थ व्यवस्था» को नई दिशा देनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 लाख करोड़ का आर्थिक पैकेज दिया गया तथा वित्त मंत्री ने अपनी घोषणा में लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्योगों के लिए एक बड़े आर्थिक पैकेज का निर्धारण करते हुए भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाया जाएगा। आईएमएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 के कारण भारत की विकास दर में तेजी से गिरावट आएगी;परंतु ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमोवेश कम प्रभावित होगी और भारत के विशाल अन्न भंडार उसका सहारा बनेंगे। वास्तव में वस्तु स्थिति ऐसी ही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 50व कृषि की हिस्सेदारी है, शेष 50व में छोटे, मझोले उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का योगदान है। सरकार का आर्थिक पैकेज और विशाल भंडार एक नई ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जन्म दे सकती है, परंतु महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि शहर से गांव लौटते मजदूरों को तुरंत राहत पहुंचानी चाहिए। इसके लिए मनरेगा को और सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाना होगा।

शैक्षिक जगत और अर्बन मनरेगा

कोविड-19 से शैक्षिक जगत भी बहुत प्रभावित हुआ है। स्कूल - कॉलेज बंद हैं। सभी प्रकार की परीक्षाएं स्थगित हैं। युवा निराश है। अतः सरकार को इस दिशा में सोचना पड़ेगा। परीक्षा और शिक्षण के तरीके में बदलाव लाकर उन्हें भविष्य के लिए आश्वासन देना पड़ेगा। इसके साथ-साथ सरकार को शहरी क्षेत्र के श्रमिकों और मध्यम वर्ग के लिए भी कोई ठोस योजना की घोषणा करनी चाहिए। संभव हो तो शहरी श्रमिकों के लिए, अर्बन मनरेगा जैसी किसी योजना की शुरुआत करनी चाहिए। नौकरी पेशा मध्यम वर्ग के भत्तों में कटौती न करने पर भी विचार करना चाहिए।

वैकल्पिक स्वास्थ्य सुविधाओं को जुटाना

प्रथम लॉकडाउन (24 मार्च 2020) के समय संक्रमितों की संख्या 536 थी, परंतु आज संक्रमितो की संख्या एक लाख पार कर गई है। जब तक वैक्सीन या कोई कारगर इलाज नहीं आ जाता इसे रोकना संभव नहीं है। अतः लॉकडाउन पीरियड का उपयोग वैकल्पिक स्वास्थ्य संसाधनों को जुटाने में किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य की परिस्थितियों से निपट सकें।

सभी लोगों का साथ लेना (विपक्षी दलों का)

कोरोना संकट के विरुद्ध यह लड़ाई मानव जाति और प्राण घातक विषाणु का संघर्ष है। जिसमें समाज के सभी व्यक्तियों संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठन को आगे आना होगा इसके लिए सरकार को चाहिए कि आईसीएमआर के बाहर काम कर रहे स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा अर्थशास्त्रियों समाज वैज्ञानिकों और मनोविज्ञान ज्ञों से परामर्श करके रणनीति बनानी चाहिए। सरकार को उदारता पूर्वक विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए ताकि आलोचना के बजाय समस्या पर ध्यान केंद्रित हो सके।

जीवन के मापदंडों को बदलना

आज ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, हमें अपने जीवन के मापदंडों को बदलना होगा। बाध्यकारी रूप से व्यक्ति एवं समाज दोनों को « पैराडिज्म शिफ्ट» में जाना चाहिए। जिसका मूल मंत्र «केयर फॉर अदर्स» यानी पड़ोसी सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं। अपने स्तर पर जो बन सके उसको समाज के लिए करना चाहिए।

कुछ योजनाओं का स्थगन

सरकार को कुछ योजनाओं को स्थगित करना चाहिए, जैसे 20 हजार करोड़ का सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन तथा सुरक्षा से समझौता किए बिना हथियारों और आयुध सामग्री की खरीद। इस संकट में आयुध निरर्थक सिद्ध हुए हैं।

केंद्र एवं राज्यों में सहयोग

कोविड 19 संकट में सरकारों की भूमिका केंद्रीय हो गई है। भारत में संघात्मक व्यवस्था है। अतः केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और सामंजस्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को राज्यों को उनका हिस्सा और अंशदान उदारता से देना चाहिए और राज्य का कर्तव्य है कि हुए केंद्र की योजनाओं को ईमानदारी से लागू करें। इस संकट में हम योजनाओं का विकेंद्रीकरण करके ज्यादा सक्षम तरीके से निपट सकते हैं।

ग्लोबल- लोकल

कोरोना संकट के कारण हम ग्लोबल से लोकल हो गए हैं। हमें स्थानीय लोगों, संस्थाओं पर ध्यान देना होगा। गांधी का विचार था कि जब तक हम शोषण युक्त सुविधाओं एवं प्रकृति का अनियंत्रित दोहन बंद नहीं करेंगे, हमें ऐसे ही प्रकृतिजन्य संकट से जूझना पड़ेगा। यह कोविड -19 हमारे लिए एक सबक है। अब हम नहीं सीखेंगे तो इसके परिणाम भोगने पड़ेंगे।

इए

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 50, प्रयागराज, बुधवार 20 मई 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

कोरोना देश में मरीजों की संख्या 101139 | मृतकों की संख्या 3163 | ठीक हुये मरीज 39174

'कोरोना संकट और भारत : चुनौती एवं रणनीति' पर चर्चा

देश में आंतरिक विस्थापन की भयावह स्थिति : कुलसचिव

प्रयागराज(हि.स.)। कोरोना संकट एक विश्वव्यापी महामारी के रूप में सामने आया है, जिसने मानव जीवन पर प्राणघातक हमला किया है। जिससे पूरे विश्व का सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवसायिक ढांचा चरमरा गया है। इस लॉकडाउन ने भारत की आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को न केवल प्रभावित किया वरन पूरी तरह से ठप कर दिया है। लाखों लोग बेरोजगार हो गए हैं। दुकानें एवं व्यवसाय बंद हैं और देश में आंतरिक विस्थापन की भयावह स्थिति है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने हिन्दुस्थान समाचार से वार्ता के दौरान बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविद-19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमतर स्वास्थ्य सेवा वाले देश में यह स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषकर उन मजदूरों और श्रमिकों के संदर्भ में जो रोजगार खत्म होने के कारण अपने घर और गांव लौट रहे हैं। जहां एक ओर उनके लिए गांव में रोजगार नहीं है दूसरी ओर महानगरों में जिन कारखानों से वो आए हैं, वह कारखाने भी श्रमिकों के अभाव में सीमित संसाधनों से अपना अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पाएंगे। आज महत्वपूर्ण यह है कि किया क्या जाना चाहिए ? यह हमारे सामने गंभीर चुनौती है और इससे निपटने की रणनीति क्या होनी चाहिए ?

उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य है। कोविड-19 के संक्रमण से निपटने के लिए भारत सरकार को एक विस्तृत, दूरगामी एवं परिणामोन्मुख योजना बनानी होगी, क्योंकि यह संकट अभी जाने वाला नहीं है। वैज्ञानिकों का विचार है कि वैक्सीन आने के बाद भी यह बीमारी हमारे साथ रहेगी। इस संकट से निपटने के लिए हम «जान भी है जहां है» से प्रारंभ करके «जान भी है और जहां भी है» की नीति तक आ गए हैं। जहां तक संक्रमण का प्रश्न है इसका ग्राफ ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन उठा लिया जाए। परंतु लॉकडाउन के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग हाशिए पर चले गए हैं, जिससे लाखों गरीब पीड़ित हो गए हैं और हजारों मध्यम वर्गीय परिवार कर्ज के दबाव में आ गए हैं। समस्या इतनी जटिल एवं व्यापक है कि

विभिन्न क्षेत्रों को अलग-अलग रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कतिपय सुझावों पर चर्चा भी की।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण

डॉ. गुप्ता ने कहा आज भारत में ऐसी स्थिति बनी हुई है कि लोग मजबूर होकर शहरों से गांव लौट रहे हैं, जिनके पास न रोजगार होगा और न ही आजीविका के अन्य साधन। अतः एक बार हमें अपनी 'ग्रामीण व्यवस्था' का विकास करना होगा, जिसे षड्यंत्रकारी तरीके से अंग्रेज काल में नष्ट कर दिया गया था। आज का भारत तेजी से विकसित होता हुआ एक लोकतांत्रिक देश है। अतः सरकार को «ग्रामीण अर्थ व्यवस्था» को नई दिशा देनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 लाख करोड़ का आर्थिक पैकेज दिया गया तथा वित्त मंत्री ने अपनी घोषणा में लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्योगों के लिए एक बड़े आर्थिक पैकेज का निर्धारण करते हुए भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया।

शैक्षिक जगत और अर्बन मनरेगा

कोविड-19 से शैक्षिक जगत भी बहुत प्रभावित हुआ है। स्कूल-कालेज बंद हैं। सभी प्रकार की परीक्षाएं स्थगित हैं। युवा निराश है। अतः सरकार को इस दिशा में सोचना पड़ेगा। परीक्षा और शिक्षण के तरीके में बदलाव लाकर उन्हें भविष्य के लिए आश्वासन देना पड़ेगा। इसके साथ-साथ सरकार को शहरी क्षेत्र के श्रमिकों और मध्यम वर्ग के लिए भी कोई ठोस योजना की घोषणा करनी चाहिए। संभव हो तो शहरी श्रमिकों के लिए अर्बन मनरेगा जैसी किसी योजना की शुरुआत करनी चाहिए। नौकरी पेशा मध्यम वर्ग के भत्तों में कटौती न करने पर भी विचार करना चाहिए।

वैकल्पिक स्वास्थ्य सुविधाओं को जुटाना

प्रथम लॉकडाउन (24 मार्च 2020) के समय संक्रमितों की संख्या 536 थी, परंतु आज संक्रमितों की संख्या एक लाख पार कर गई है। जब तक वैक्सीन या कोई कारगर इलाज नहीं आ जाता इसे रोकना संभव नहीं है। अतः लॉकडाउन पीरियड का उपयोग वैकल्पिक स्वास्थ्य संसाधनों को जुटाने में किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य की परिस्थितियों से निपट सकें।

सभी लोगों का साथ लेना

कोरोना संकट के विरुद्ध यह लड़ाई मानव जाति और प्राण घातक विषाणु का संघर्ष है। जिसमें समाज के सभी व्यक्तियों संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठन को आगे आना होगा। इसके लिए सरकार को चाहिए कि आईसीएमआर के बाहर काम कर रहे स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा अर्थशास्त्रियों, समाज वैज्ञानिकों और मनोवैज्ञानिकों से परामर्श करके रणनीति बनानी चाहिए।

जीवन के मापदंडों को बदलना

आज ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, हमें अपने जीवन के मापदंडों को बदलना होगा। बाध्यकारी रूप से व्यक्ति एवं समाज दोनों को पैराडिज्म शिफ्ट में जाना चाहिए। जिसका मूल मंत्र «केयर फॉर अदर्स» यानी पड़ोसी सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं। अपने स्तर पर जो बन सके उसको समाज के लिए करना चाहिए।

केंद्र एवं राज्यों में सहयोग

कोविड 19 संकट में सरकारों की भूमिका केंद्रीय हो गई है। भारत में संघात्मक व्यवस्था है। अतः केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और सामंजस्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को राज्यों को उनका हिस्सा और अंशदान उदारता से देना चाहिए और राज्य का कर्तव्य है कि केंद्र की योजनाओं को ईमानदारी से लागू करें। इस संकट में हम योजनाओं का विकेंद्रीकरण करके ज्यादा सक्षम तरीके से निपट सकते हैं।

RNI No.-UPHIN/2012/44803

हिन्दी दैनिक

Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

आपके साथ

वर्ष : 09 अंक : 120 फतेहपुर, बुधवार, 20 मई, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

कोरोना संकट और भारतः चुनौती एवं रणनीति

कोविड- 19 संकट एक विश्वव्यापी महामारी के रूप में सामने आया है। जिसने मानव जीवन पर प्राणघातक हमला किया है, जिससे पूरे विश्व का सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक ढांचा चरमरा गया है। भारत भी उसी विश्व का एक अंग है। यहां भारत के संदर्भ में इसकी चर्चा करेंगे।

भारत में लॉकडाउन के लगभग 54 दिन होने जा रहे हैं। पहले लॉक डाउन में यह आशा की गई थी कि लगभग 21 दिनों में हम संक्रमण में काबू पा लेंगे, परंतु स्थितियां हाथों से निकलती गईं और हमें लॉकडाउन- 2, लॉकडाउन- 3 एवं लॉकडाउन- 4 की घोषणा करने को बाध्य होना पड़ा। इस लॉकडाउन ने भारत की आर्थिक, व्यावसायिक, शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को न केवल प्रभावित किया है वरन पूरी तरह से ठप कर दिया है। लाखों लोग बेरोजगार हो गए हैं। दुकानें एवं व्यवसाय बंद हैं और देश में आंतरिक विस्थापन की भयावह स्थिति है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविड -19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमजोर स्वास्थ्य सेवा वाले देश में यह स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषकर उन लाखों मजदूरों और श्रमिकों के संदर्भ में जो महामारी में रोजगार खत्म होने के कारण अपने घर और गांव लौट रहे हैं। यह एक अजीब स्थिति है। जहां एक ओर उनके लिए गांव में रोजगार नहीं है दूसरी ओर महानगरों में जिन कारखानों से वो आए हैं, वह कारखाने भी श्रमिकों के अभाव में सीमित संसाधनों से अपना अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पाएंगे। आज महत्वपूर्ण यह है कि किया क्या जाना चाहिए ? यह हमारे सामने गंभीर चुनौती है और इससे निपटने की रणनीति क्या होनी चाहिए ?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य है। जिसने स्वतंत्रता के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया और देश में आर्थिक न्याय को ध्यान में रखकर समाजवादी रुझान के अंतर्गत कल्याणकारी राज्य को व्यावहारिक रूप प्रदान किया। सन 1990 से शुरू वैश्वीकरण के दौर में भारत सहित विश्व के राज्यों ने विभिन्न सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में लोक कल्याणकारी राज्य की भूमिका को कम कर के निजीकरण को बढ़ावा दिया है तथा वैश्वीकरण को अपनाया। परंतु कोविड - 19 के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का वैश्वीकरण हो गया है। इससे पुनः एक बार राज्य एवं सरकार की भूमिका केंद्र में आ गई है। कोविड - 19 के संक्रमण/संकट से निपटने के लिए भारत सरकार को एक विस्तृत, दूरगामी एवं परिणामोन्मुख योजना बनानी होगी, क्योंकि यह संकट अभी जाने वाला नहीं है। वैज्ञानिकों का विचार है कि वैक्सीन आने के बाद भी यह बीमारी हमारे साथ रहेगी। इस संकट से निपटने के लिए हम 'जान है तो जहां है' से प्रारंभ करके 'जान भी है और जहां भी है' की नीति तक आ गए हैं।

जहां तक संक्रमण का प्रश्न है इसका आशय ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन उठा लिया जाए। परंतु लॉकडाउन के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग हाशिए पर चले गए हैं, जिससे लाखों गरीब पीड़ित हो गए हैं और हजारों मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज के दबाव में आ गए हैं। ऐसी स्थिति में असुरक्षा की भावना असंतोष को जन्म दे सकती है, जो हमारी दबाव ग्रस्त आर्थिक व्यवस्था एवं संवेदनशील सामाजिक व्यवस्था के लिए घातक होगा।

समस्या इतनी जटिल एवं व्यापक है कि विभिन्न क्षेत्रों को अलग-अलग रणनीति बनानी होगी, फिर कतिपय सुझावों की चर्चा हम यहां करेंगे-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण

आज भारत में ऐसी स्थिति बनी हुई है कि लोग मजबूर होकर शहरों से गांव लौट रहे हैं, जिनके पास न रोजगार होगा और न ही आजीविका के अन्य साधन। अतः एक बार हमें अपनी 'ग्रामीण व्यवस्था' का विकास करना होगा, जिसे षड्यंत्रकारी तरीके से अंग्रेजी काल में नष्ट कर दिया गया था। आज का भारत तेजी से विकसित होता हुआ एक लोकतांत्रिक देश है। जहां गांव - गांव तक तकनीक का विस्तार हो रहा है। अतः सरकार को 'ग्रामीण अर्थ व्यवस्था' को नई दिशा देनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 लाख करोड़ का आर्थिक पैकेज दिया गया तथा वित्त मंत्री ने अपनी घोषणा में लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्योगों के लिए एक बड़े आर्थिक पैकेज का निर्धारण करते हुए भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाया जाएगा। आईएमएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 के कारण भारत की विकास दर में तेजी से गिरावट आएगी;परंतु ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमोबेश कम प्रभावित होगी और

डॉ अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

भारत के विशाल अन्न भंडार उसका सहारा बनेंगे। वास्तव में वस्तु स्थिति ऐसी ही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 50% कृषि की हिस्सेदारी है, शेष 50% में छोटे, मझोले उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का योगदान है। सरकार का आर्थिक पैकेज और विशाल भंडार एक नई ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जन्म दे सकती है, परंतु महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि शहर से गांव लौटते मजदूरों को तुरंत राहत पहुंचानी चाहिए। इसके लिए मनरेगा को और सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाना होगा।

2. शैक्षिक जगत और अर्बन मनरेगा

कोविड-19 से शैक्षिक जगत भी बहुत प्रभावित हुआ है। स्कूल - कॉलेज बंद हैं। सभी प्रकार की परीक्षाएं स्थगित हैं। युवा निराश है। अतः सरकार को इस दिशा में सोचना पड़ेगा। परीक्षा और शिक्षण के तरीके में बदलाव लाकर उन्हें भविष्य के लिए आश्वासन देना पड़ेगा। इसके साथ-साथ सरकार को शहरी क्षेत्र के श्रमिकों और मध्यम वर्ग के लिए भी कोई ठोस योजना की घोषणा करनी चाहिए। संभव हो तो शहरी श्रमिकों के लिए अर्बन मनरेगा जैसी किसी योजना की शुरुआत करनी चाहिए। नौकरी पेशा मध्यम वर्ग के भत्तों में कटौती न करने पर भी विचार करना चाहिए।

3. वैकल्पिक स्वास्थ्य सुविधाओं को जुटाना

प्रथम लॉकडाउन (24 मार्च 2020) के समय संक्रमितों की संख्या 536 थी, परंतु आज संक्रमितों की संख्या एक लाख पार कर गई है। जब तक वैक्सीन या कोई कारगर इलाज नहीं आ जाता इसे रोकना संभव नहीं है। अतः लॉकडाउन पीरियड का उपयोग वैकल्पिक स्वास्थ्य संसाधनों को जुटाने में किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य की परिस्थितियों से निपट सकें।

4. सभी लोगों का साथ लेना (विपक्षी दलों का)

कोरोना संकट के विरुद्ध यह लड़ाई मानव जाति और प्राण घातक विषाणु का संघर्ष है। जिसमें समाज के सभी व्यक्तियों संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठन को आगे आना होगा इसके लिए सरकार को चाहिए कि आईसीएमआर के बाहर काम कर रहे स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा अर्थशास्त्रियों समाज वैज्ञानिकों और मनोविज्ञान इत्यादि से परामर्श करके रणनीति बनानी चाहिए। सरकार को उदारता पूर्वक विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए ताकि आलोचना के बजाय समस्या पर ध्यान केंद्रित हो सके।

5.जीवन के मापदंडों को बदलना

आज ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, हमें अपने जीवन के मापदंडों को बदलना होगा। बाध्यकारी रूप से व्यक्ति एवं समाज दोनों को 'पैराडाइम शिफ्ट' में जाना चाहिए। जिसका मूल मंत्र 'बेगर दाई नेबर' यानी पड़ोसी सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं। अपने स्तर पर जो बन सके उसको समाज के लिए करना चाहिए।

6. कुछ योजनाओं का स्थगन

सरकार को कुछ योजनाओं को स्थगित करना चाहिए, जैसे 20 हजार करोड़ का सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन तथा सुरक्षा से सम्बंधित लिए बिना हथियारों और आयुध सामग्री की खरीद। इस संकट में आयुध निरर्थक सिद्ध हुए हैं।

7. केंद्र एवं राज्यों में सहयोग

कोविड 19 संकट में सरकारों की भूमिका केंद्रीय हो गई है। भारत में संघात्मक व्यवस्था है। अतः केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और सामंजस्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को राज्यों को उनका हिस्सा और अंशदान उदारता से देना चाहिए और राज्य का कर्तव्य है कि वह केंद्र की योजनाओं को ईमानदारी से लागू करें। इस संकट में हम योजनाओं का विकेंद्रीकरण करके ज्यादा सहज तरीके से निपट सकते हैं।

8. ग्लोबल- लोकल

कोरोना संकट के कारण हम ग्लोबल से लोकल हो गए हैं। हमें स्थानीय लोगों, संस्थाओं पर ध्यान देना होगा। गांधी का विचार था कि जब तक हम शोषण युक्त सुविधाओं एवं प्रकृति का अनियंत्रित दोहन बंद नहीं करेंगे, हमें ऐसे ही प्रकृतिजन्य संकट से जूझना पड़ेगा। यह कोविड -19 हमारे लिए एक सबक है। अब हम नहीं सीखेंगे तो इसके परिणाम भोगने पड़ेंगे।

डॉ अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव,
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in
Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express tv
• वर्ष 8 • अंक 82 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 20 मई 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

कोरोना संकट और भारतः चुनौती एवं रणनीति

कोविड 19 संकट एक विश्वव्यापी महामारी के रूप में सामने आया है। जिसने मानव जीवन पर प्राणघातक हमला किया है, जिससे पूरे विश्व का सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक ढांचा चरमरा गया है। भारत भी उसी विश्व का एक अंग है। यहां भारत के संदर्भ में इसकी चर्चा करेंगे।

भारत में लॉकडाउन के लगभग 54 दिन होने जा रहे हैं। पहले लॉक डाउन में यह आशा की गई थी कि लगभग 21 दिनों में हम संक्रमण में काबू पा लेंगे, परंतु स्थितियां हाथों से निकलती गई और हमें लॉकडाउन 2, लॉकडाउन 3 एवं लॉकडाउन 4 की घोषणा करने को बाध्य होना पड़ा। इस लॉकडाउन ने भारत की आर्थिक, व्यावसायिक, शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को न केवल प्रभावित किया है वरन पूरी तरह से ठप कर दिया है। लाखों लोग बेरोजगार हो गए हैं। दुकानें एवं व्यवसाय बंद हैं और देश में आंतरिक विस्थापन की भयावह स्थिति है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविड 19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमतर स्वास्थ्य सेवा वाले देश में यह स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषकर उन लाखों मजदूरों और श्रमिकों के संदर्भ में जो महामारी में रोजगार खत्म होने के कारण अपने घर और गांव लौट रहे हैं। यह एक अजीब स्थिति है। जहां एक ओर उनके लिए गांव में रोजगार नहीं है दूसरी ओर महानगरों में जिन कारखानों से वो आए हैं, वह कारखाने भी श्रमिकों के अभाव में सीमित संसाधनों से अपना अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पाएंगे। आज महत्वपूर्ण यह है कि किया क्या जाना चाहिए ? यह हमारे सामने गंभीर चुनौती है और इससे निपटने की रणनीति क्या होनी चाहिए ?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य है। जिसने स्वतंत्रता के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया और देश में आर्थिक न्याय को ध्यान में रखकर समाजवादी रुझान के अंतर्गत कल्याणकारी राज्य को व्यावहारिक रूप प्रदान किया। सन 1990 से शुरू वैश्वीकरण के दौर में भारत सहित विश्व के राज्यों ने विभिन्न सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में लोक कल्याणकारी राज्य की भूमिका को कम कर के निजीकरण को बढ़ावा दिया है तथा वैश्वीकरण को अपनाया। परंतु कोविड 19 के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का वैश्वीकरण हो गया है। इससे पुनः एक बार राज्य एवं सरकार की भूमिका केंद्र में आ गई है। कोविड 19 के संक्रमण/संकट से निपटने के लिए भारत सरकार को एक विस्तृत, दूरगामी एवं परिणामोन्मुख योजना बनानी होगी, क्योंकि यह संकट अभी जाने वाला नहीं है। वैज्ञानिकों का विचार है कि वैक्सीन आने के बाद भी यह बीमारी हमारे साथ रहेगी। इस संकट से निपटने के लिए हम जान है तो जहान है से प्रारंभ करके जान भी है और जहां भी है की नीति तक आ गए हैं।

जहां तक संक्रमण का प्रश्न है इसका ग्राफ ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन उठा लिया जाए। परंतु लॉकडाउन के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग हाशिए पर चले गए हैं, जिससे लाखों गरीब पीड़ित हो गए हैं और हजारों मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज के दबाव में आ गए हैं। ऐसी स्थिति में असुरक्षा की भावना असंतोष को जन्म दे सकती है, जो हमारी उदार आर्थिक व्यवस्था एवं संवेदनशील सामाजिक व्यवस्था के लिए घातक होगा।

समस्या इतनी जटिल एवं व्यापक है कि विभिन्न क्षेत्रों को अलग अलग रणनीति बनानी होगी, फिर कतिपय सुझावों की चर्चा हम यहां करेंगे।

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण

आज भारत में ऐसी स्थिति बनी हुई है कि लोग मजबूर होकर शहरों से गांव लौट रहे हैं, जिनके पास न रोजगार होगा और न ही आजीविका के अन्य साधन। अतः एक बार हमें अपनी ग्रामीण व्यवस्था का विकास करना होगा, जिसे षड्यंत्रकारी तरीके से अंग्रेजी काल में नष्ट कर दिया गया था। आज का भारत तेजी से विकसित होता हुआ एक लोकतांत्रिक देश है। जहां गांव गांव तक तकनीक का विस्तार हो रहा है। अतः सरकार को «ग्रामीण अर्थ व्यवस्था» को नई दिशा देनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 लाख करोड़ का आर्थिक पैकेज दिया गया तथा वित्त मंत्री ने अपनी घोषणा में लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्योगों के लिए एक बड़े आर्थिक पैकेज का निर्धारण करते हुए भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाया जाएगा। आईएमएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड19 के कारण भारत की विकास दर में तेजी से गिरावट आएगी, परंतु ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमोबेश कम प्रभावित होगी और भारत के विशाल अन्न भंडार उसका

सहारा बनेंगे। वास्तव में वस्तु स्थिति ऐसी ही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 50% कृषि की हिस्सेदारी है, शेष 50% में छोटे, मझोले उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का योगदान है। सरकार का आर्थिक पैकेज और विशाल भंडार एक नई ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जन्म दे सकती है, परंतु महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि शहर से गांव लौटते मजदूरों को तुरंत राहत पहुंचनी चाहिए। इसके लिए मनरेगा को और सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाना होगा।

2. शैक्षिक जगत और अर्बन मनरेगा

कोविड19 से शैक्षिक जगत भी बहुत प्रभावित हुआ है। स्कूल कॉलेज बंद हैं। सभी प्रकार की परीक्षाएं स्थगित हैं। युवा निराश है। अतः सरकार को इस दिशा में सोचना पड़ेगा। परीक्षा और शिक्षण के तरीके में बदलाव लाकर उन्हें भविष्य के लिए आश्वासन देना पड़ेगा। इसके साथसाथ सरकार को शहरी क्षेत्र के श्रमिकों और मध्यम वर्ग के लिए भी कोई ठोस योजना की घोषणा करनी चाहिए। संभव हो तो शहरी श्रमिकों के लिए अर्बन मनरेगा जैसी किसी योजना की शुरुआत करनी चाहिए। नौकरी पेशा मध्यम वर्ग के भत्तों में कटौती न करने पर भी विचार करना चाहिए।

3. वैकल्पिक स्वास्थ्य सुविधाओं को जुटाना

प्रथम लॉकडाउन (24 मार्च 2020) के समय संक्रमितों की संख्या 536 थी, परंतु आज संक्रमितों की संख्या एक लाख पार कर गई है। जब तक वैक्सीन या कोई कारगर इलाज नहीं आ जाता इसे रोकना संभव नहीं है। अतः लॉकडाउन पीरियड का उपयोग वैकल्पिक स्वास्थ्य संसाधनों को जुटाने में किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य की परिस्थितियों से निपट सकें।

4. सभी लोगों का साथ लेना (विपक्षी दलों का)

कोरोना संकट के विरुद्ध यह लड़ाई मानव जाति और प्राण घातक विषाणु का संघर्ष है। जिसमें समाज के सभी व्यक्तियों संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठन को आगे आना होगा इसके लिए सरकार को चाहिए कि आईसीएमआर के बाहर काम कर रहे स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा अर्थशास्त्रियों समाज वैज्ञानिकों और मनोविज्ञान वेत्ताओं से परामर्श करके रणनीति बनानी चाहिए। सरकार को उदारता पूर्वक विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए ताकि आलोचना के बजाय समस्या पर ध्यान केंद्रित हो सके।

5. जीवन के मापदंडों को बदलना

आज ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, हमें अपने जीवन के मापदंडों को बदलना होगा। बाध्यकारी रूप से व्यक्ति एवं समाज दोनों को पैराडिग्म शिफ्ट में जाना चाहिए। जिसका मूल मंत्र केयर फॉर अदर्स यानी पड़ोसी सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं। अपने स्तर पर जो बन सके उसको समाज के लिए करना चाहिए।

6. कुछ योजनाओं का स्थगन

सरकार को कुछ योजनाओं को स्थगित करना चाहिए, जैसे 20 हजार करोड़ का सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन तथा सुरक्षा से समझौता किए बिना हथियारों और आयुध सामग्री की खरीद। इस संकट में आयुध निरर्थक सिद्ध हुए हैं।

7. केंद्र एवं राज्यों में सहयोग

कोविड 19 संकट में सरकारों की भूमिका केंद्रीय हो गई है। भारत में संघात्मक व्यवस्था है। अतः केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और सामंजस्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को राज्यों को उनका हिस्सा और अंशदान उदारता से देना चाहिए और राज्य का कर्तव्य है कि हुए केंद्र की योजनाओं को ईमानदारी से लागू करें। इस संकट में हम योजनाओं का विकेंद्रीकरण करके ज्यादा सक्षम तरीके से निपट सकते हैं।

8. ग्लोबल लोकल

कोरोना संकट के कारण हम ग्लोबल से लोकल हो गए हैं। हमें स्थानीय लोगों, संस्थाओं पर ध्यान देना होगा। गांधी का विचार था कि जब तक हम शोषण युक्त सुविधाओं एवं प्रकृति का अनियंत्रित दोहन बंद नहीं करेंगे, हमें ऐसे ही प्रकृतिजन्य संकट से जूझना पड़ेगा। यह कोविड 19 हमारे लिए एक सबक है। अब हम नहीं सीखेंगे तो इसके परिणाम भोगने पड़ेंगे।

डॉ अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव,
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
www.womenexpress.in

इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शनिवार, 23 मई 2020
वर्ष 12 अंक 262 मूल्य 2-00 रुपया पृष्ठ- 8
मौसम - अधिकतम 41.6°C (+1.6) न्यूनतम 24.0°C (-1.2) सेंसेक्स 30,672.59 (-260.31) निफ्टी 9,039.25 (-67.00) सोना 47,700 चांदी 48,250 मुद्रा - डालर 75.98 दिरहम 20.68 रियाल 20.26

हम सिर्फ अपने लिए ही नहीं बल्कि समस्त विश्व के लिए शांति और शांतिपूर्ण विकास में विश्वास रखते हैं।
- लालबहादुर शास्त्री

सम्पादकीय

कोरोना संकट और भारत

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविद -19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमतर स्वास्थ्य सेवा वाले देश में यह स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषकर उन लाखों मजदूरों और श्रमिकों के संदर्भ में जो महामारी में रोजगार खत्म होने के कारण अपने घर और गांव लौट रहे हैं। यह एक अजीब स्थिति है।

- डॉ. अरुण कुमार गुप्ता

कोविद- 19 संकट एक विश्वव्यापी महामारी के रूप में सामने आया है। जिसने मानव जीवन पर प्राणघातक हमला किया है, जिससे पूरे विश्व का सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवसायिक ढांचा चरमरा गया है। भारत में लॉकडॉउन के लगभग 54 दिन होने जा रहे हैं। पहले लॉक डाउन में यह आशा की गई थी कि लगभग 21 दिनों में हम संक्रमण में काबू पा लेंगे, परंतु स्थितियां हाथों से निकलती गई और हमें लॉकडाउन- 2, लॉकडाउन- 3 एवं लॉकडाउन- 4 की घोषणा करने को बाध्य होना पड़ा। इस लॉकडॉन ने भारत की आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षिक एवं अन्य संबंधित गतिविधियों को न केवल प्रभावित किया है वरन पूरी तरह से ठप कर दिया है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में कोविद -19 का कहर एशिया महाद्वीप से ज्यादा है। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि अगले चरण में एशिया महाद्वीप और विशेषकर दक्षिण एशिया में इस रोग का प्रसार होगा। ऐसे में भारत जैसे विशाल तथा कमतर स्वास्थ्य सेवा वाले देश में यह स्थिति और भयावह होने वाली है। विशेषकर उन लाखों मजदूरों और श्रमिकों के संदर्भ में जो महामारी में रोजगार खत्म होने के कारण अपने घर और गांव लौट रहे हैं। यह एक अजीब स्थिति है। जहां एक ओर उनके लिए गांव में रोजगार नहीं है दूसरी ओर महानगरों में जिन कारखानों से वो आए हैं, वह कारखाने भी श्रमिकों के अभाव में सीमित संसाधनों से अपना अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पाएंगे। आज महत्वपूर्ण यह है कि किया क्या जाना चाहिए?

सन 1990 से शुरू वैश्वीकरण के दौर में भारत सहित विश्व के राज्यों ने विभिन्न सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में लोक कल्याणकारी राज्य की भूमिका को कम कर के निजीकरण को बढ़ावा दिया है तथा वैश्वीकरण को अपनाया। परंतु कोविड - 19 के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य संकट का वैश्वीकरण हो गया है। इससे पुनः एक बार राज्य एवं सरकार की भूमिका केंद्र में आ गई है। कोविड -19 के संक्रमण/संकट से निपटने के लिए भारत सरकार को एक विस्तृत, दूरगामी एवं परिणामोन्मुख योजना बनानी होगी, क्योंकि यह संकट अभी जाने वाला नहीं है। वैज्ञानिकों का विचार है कि वैक्सीन आने के बाद भी यह बीमारी हमारे साथ रहेगी।

जहां तक संक्रमण का प्रश्न है इसका ग्राफ ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन उठा लिया जाए। परंतु लॉकडाउन के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग हाशिए पर चले गए हैं, जिससे लाखों गरीब पीड़ित हो गए हैं और हजारों मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज के दबाव में आ गए हैं।

समस्या इतनी जटिल एवं व्यापक है कि विभिन्न क्षेत्रों को अलग-अलग रणनीति बनानी होगी, फिर कतिपय सुझावों की चर्चा हम यहां करेंगे-

1. ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण

आज भारत में ऐसी स्थिति बनी हुई है कि लोग मजबूर होकर शहरों से गांव लौट रहे हैं, जिनके पास न रोजगार होगा और न ही आजीविका के अन्य साधन। अतः एक बार हमें अपनी ग्रामीण व्यवस्था का विकास करना होगा, जिसे षड्यंत्रकारी तरीके से अंग्रेजी काल में नष्ट कर दिया गया था। आज का भारत तेजी से विकसित होता हुआ एक लोकतांत्रिक देश है। जहां गांव - गांव तक तकनीक का विस्तार हो रहा है। अतः सरकार को ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को नई दिशा देनी चाहिए।

2. शैक्षिक जगत और अर्बन मनरेगा

कोविड-19 से शैक्षिक जगत भी बहुत प्रभावित हुआ है। स्कूल - कॉलेज बंद हैं। सभी प्रकार की परीक्षाएं स्थगित हैं। युवा निराश है। अतः सरकार को इस दिशा में सोचना पड़ेगा। परीक्षा और शिक्षण के तरीके में बदलाव लाकर उन्हें भविष्य के लिए आश्वासन देना पड़ेगा। इसके साथ-साथ सरकार को शहरी क्षेत्र के श्रमिकों और मध्यम वर्ग के लिए भी कोई ठोस योजना की घोषणा करनी चाहिए।

3. वैकल्पिक स्वास्थ्य सुविधाओं को जुटाना

प्रथम लॉकडाउन (24 मार्च 2020) के समय संक्रमितों की संख्या 536 थी, परंतु आज संक्रमितों की संख्या एक लाख पार कर गई है। जब तक वैक्सीन या कोई कारगर इलाज नहीं आ जाता इसे रोकना संभव नहीं है। अतः लॉकडाउन पीरियड का उपयोग वैकल्पिक स्वास्थ्य संसाधनों को जुटाने में किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य की परिस्थितियों से निपट सकें।

4. सभी लोगों का साथ लेना (विपक्षी दलों का)

कोरोना संकट के विरुद्ध यह लड़ाई मानव जाति और प्राण घातक विषाणु का संघर्ष है। जिसमें समाज के सभी व्यक्तियों संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठन को आगे आना होगा इसके लिए सरकार को चाहिए कि आईसीएमआर के बाहर काम कर रहे स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा अर्थशास्त्रियों समाज वैज्ञानिकों और मनोविज्ञान वेत्ताओं से परामर्श करके रणनीति बनानी चाहिए। सरकार को उदारता पूर्वक विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर बातचीत करनी चाहिए ताकि आलोचना के बजाय समस्या पर ध्यान केंद्रित हो सके।

5.जीवन के मापदंडों को बदलना

आज ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, हमें अपने जीवन के मापदंडों को बदलना होगा। बाध्यकारी रूप से व्यक्ति एवं समाज दोनों को पैराडिग्म शिफ्ट में जाना चाहिए। जिसका मूल मंत्र केयर फॉर अदर्स यानी पड़ोसी सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं। अपने स्तर पर जो बन सके उसको समाज के लिए करना चाहिए।

6. कुछ योजनाओं का स्थगन

सरकार को कुछ योजनाओं को स्थगित करना चाहिए, जैसे 20 हजार करोड़ का सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन तथा सुरक्षा से समझौता किए बिना हथियारों और आयुध सामग्री की खरीद। इस संकट में आयुध निरर्थक सिद्ध हुए हैं।

7. केंद्र एवं राज्यों में सहयोग

कोविड 19 संकट में सरकारों की भूमिका केंद्रीय हो गई है। भारत में संघात्मक व्यवस्था है। अतः केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और सामंजस्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को राज्यों को उनका हिस्सा और अंशदान उदारता से देना चाहिए और राज्य का कर्तव्य है कि हुए केंद्र की योजनाओं को ईमानदारी से लागू करें। इस संकट में हम योजनाओं का विकेंद्रीकरण करके ज्यादा सक्षम तरीके से निपट सकते हैं। कोरोना संकट के कारण हम ग्लोबल से लोकल हो गए हैं। हमें स्थानीय लोगों, संस्थाओं पर ध्यान देना होगा। गांधी का विचार था कि जब तक हम शोषण युक्त सुविधाओं एवं प्रकृति का अनियंत्रित दोहन बंद नहीं करेंगे, हमें ऐसे ही प्रकृतिजन्य संकट से जूझना पड़ेगा।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

22 मई, 2020

क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर

का निरीक्षण

करते हुए

मा0 कुलपति जी

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
अंक : 157 प्रयागराज, गुरुवार, 28 मई 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

फिर बढ़ी उ.प्र. टंडन मुक्त विवि की बी एड आवेदन की तिथि

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4.0 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। बी एड/बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्तिध्ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सूर्योदय : 05:17 बजे
सूर्यास्त : 06:49 बजे
वर्ष : 42 | अंक : 151 | प्रयागराज, गुरुवार 28 मई, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये

फिर बढ़ी मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड आवेदन की तिथि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4.0 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निणय्य लिया है। बी एड्ध्बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्तिध्ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वही ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय मे प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथिया लॉक डाउन की स्थितियो को देखते हुए बाद मे यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com
हरबात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 128 फतेहपुर, गुरूवार, 28 मई, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

फिर बढ़ी उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बी एड आवेदन की तिथि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4.0 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निणय्य लिया है।बी एड/बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति/ ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

स्वतंत्र भारत
epaper: swatantrabharat.net

फिर बढ़ी उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बी एड आवेदन की तिथि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा २०२० के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन ४.० के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन ३१ मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। बी एड/बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा २०२० के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि १२ जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि १५ जून कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि आनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर २० जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

जुनून है सच लिखने का
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व मैनपुरी से प्रसारित
गुरूवार, 28 मई 2020 प्रयागराज

फिर बढ़ी उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बी एड आवेदन की तिथि

संवाददाता / प्रयागराज, ।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4.0 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है।

बी एड्ध्बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्तिध्ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

भारत में 18 हजार लोगों की जान जाने की आशंका पेज 12 | गूगल हर कर्मचारी को देगा एक हजार डॉलर पेज 13

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मददगार अमिताभ

गुरुवार, 28 मई 2020, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com

युवा | लॉकडाउन में माहवारी स्वच्छता संबंधी सिनेटरी पैड व अन्य उत्पादों की सेवा बंद किया जाना महिलाओं के प्रति भेदभाव है। | हिन्दुस्तान 04 प्रयागराज • गुरुवार • 28 मई 2020

मुविवि : बीएड के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020 प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि फिर बढ़ा दी है। कोरोना महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। बीएड-बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा-2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है।

दैनिक जागरण

4 दैनिक जागरण प्रयागराज, 28 मई 2020 | प्रयागराज जागरण | www.jagran.com

बीएड को आवेदन 12 जून तक

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020 प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि फिर बढ़ा दी है। लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाने के चलते कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने निर्णय लिया है। समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 12 व ऑनलाइन की 15 जून की है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून की है। जासं.

जनसंदेश टाइम्स

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, गुरूवार, 28 मई, 2020

संक्षेप

मुक्त विवि में बीएड प्रवेश परीक्षा तिथि बढ़ी

प्रयागराज(हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। बीएड-बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति-ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है।
मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा सम्बंधी अन्य तिथियां लॉकडाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

अमर उजाला लखनऊ | शुक्रवार, 29 मई 2020 3

न्यूज डायरी

बीएड-बीएड स्पेशल के आवेदन अब 15 तक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने बीएड, बीएड स्पेशल के लिए प्रवेश परीक्षा के आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। लॉकडाउन को देखते हुए प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण तथा ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तथा ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है। आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी 20 जून तक जमा कराई जा सकेगी। एमबीए-एमसीए के नए सत्र 2020-21 की प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण www.uprtou.ac.in पर शुरू हो गया है।

हिन्दुस्तान 03
लखनऊ • शुक्रवार • 29 मई 2020

राजर्षि टंडन विवि में बीएड के आवेदन 15 जून तक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड प्रवेश परीक्षा के आवेदन की अन्तिम तिथि बढ़ाकर 15 जून कर दी गई है। बीएड, बीएड (स्पेशल 2020) की प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण तथा शुल्क चालान प्राप्ति या ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून कर दी गई है। आवेदन 15 जून तक किए जा सकते हैं और ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 20 जून कर दी गई है।

4 दैनिक जागरण लखनऊ, 29 मई 2020

राजर्षि टंडन विवि : 28 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

जासं, लखनऊ : उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एमबीए / एमसीए 2020 -21 की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण, 7 मई से शुरू कर दिया है। अभ्यर्थी विवि के पोर्टल http;/www.uprtou.ac.in पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई तथा आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। विवि की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा ने बताया कि बीएड, बीएड प्रवेश परीक्षा के आवेदन की तिथियों को बढ़ाया है।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com
वर्ष 8 • अंक 90 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शुक्रवार 29 मई 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

उप्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बी एड आवेदन की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4.0 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है।

बी एड/बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति/ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

इलाहाबाद शुक्रवार 29 मई 2020
अमृत कलश टाइम्स
वर्ष : 13 अंक : 261 पृष्ठ- 4, मूल्य- एक रुपया

फिर बढ़ी उ.प्र.राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बी एड आवेदन की तिथि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4.0 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है। कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है।बी एडध्बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा 2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्तिध्ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉक डाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश
Uttar Pradesh

ASSAMESE BENGALI ENGLISH GUJARATI HINDI KANNADA

सुर्खियां संक्षेप मेरी पसंद राज्य शहर भारत सितारा

प्रयागराजः राजर्षि टंडन मुक्त विवि में बीएड आवेदन की तिथि बढ़ी

Published :29 May 2020 , 08:21 am IST

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि 15 जून कर दी है.

प्रयागराजः उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4.0 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी गई है. कोरोना जनित विश्वव्यापी महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ाए जाने के कारण कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है.

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि हुई 15 जून बीएड और बीएड विशिष्ट शिक्षा 2020 प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण और शुल्क चालान प्राप्ति-ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है. वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है.मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है. प्रवेश परीक्षा संबंधी अन्य तिथियां लॉकडाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी. विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है.

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सब का आधार ...
वर्ष : 11 अंक : 58, प्रयागराज, गुरुवार 28 मई 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

कोरोना | देश में मरीजों की संख्या 157445 | मृतकों की संख्या 4337 | ठीक हुये मरीज 64000

मुक्त विवि में बीएड प्रवेश परीक्षा तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की तिथि लॉकडाउन 4 के कारण एक बार फिर आगे बढ़ा दी है।

बीएड-बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण एवं शुल्क चालान प्राप्ति-ऑनलाइन शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा सम्बंधी अन्य तिथियां लॉकडाउन की स्थितियों को देखते हुए बाद में यथा समय घोषित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

कोरोना को हराएं भारत को विजयी बनाएं

लखनऊ संस्करण
वर्ष-04, अंक -214
शुक्रवार, 29 मई, 2020
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु॰
दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
For epaper → www.updainikbhaskar.com

मुविविः बीएड आवेदन की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजृष टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) ने बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा सत्र 2020 प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि फिर बढ़ा दी है। कोरोना महामारी व देशव्यापी लॉकडाउन के कारण कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। बीएड-बीएड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा-2020 के समन्वयक प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया कि अंतिम तिथि 12 जून तक बढ़ा दी गई है। वहीं ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून कर दी गई है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय में प्रेषित करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जून कर दी गई है।

कोरोना से डरें नहीं, लड़ें

लखनऊ
नवभारत टाइम्स। कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित)। शुक्रवार, 29 मई 2020 | www.lucknow.nbt.in

घर में रहें, सुरक्षित रहें // सुरक्षित दूरी बनाए रखें

राजर्षि टंडन विवि ने बढ़ाई आवेदन की तारीख

एनबीटी,लखनऊ : उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड और बीएड स्पेशल 2020 -21 की प्रवेश परीक्षा की आवेदन तिथि आगे बढ़ा दी है। लॉकडाउन की वजह से यह निर्णय लिया गया है। प्रवेश परीक्षा का पंजीकरण औ शुल्क चालान शुल्क ट्रांसफर की अंतिम तिथि अब 12 जून, आवेदन की अंतिम तिथि15 जून और ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि 20 जून कर दी गई है। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने एमबीए और एमसीए 2020 -21 के प्रवेश परीक्षा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 7 मई से बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी है, लेकिन स्टूडेंट्स को पंजीकरण शुल्क 28 जुलाई तक जमा करना होगा।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

30 मई, 2020

कार्य परिषद् की 110वीं आवश्यक (आपातकालीन) बैठक ऑन लाइन आयोजित

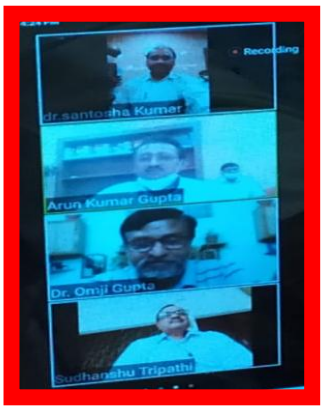

कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कार्य परिषद् की 110वीं आवश्यक (आपातकालीन) बैठक दिनांक 30 मई, 2020 को अपराह्न: 04:00 बजे ऑन लाइन वीडियो कानफन्सिग (ZOOM APP) के माध्यम से कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में डॉ0 एस.एन.पी. गुप्ता, अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष, कामर्स, डी.ए.वी. कालेज, कानपुर, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 (डॉ0) जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी प्रोफसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री ए.के. सिंह, (विशेष आमंत्रित) वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।